ज्ञान विचार
"मेरे नाम की जयकार से अच्छा है, मेरे बताए रास्ते पर चलें"
डॉ अंबेडकर

PKL NO.KKR/184/2022-24
हिन्दी पाक्षिक राष्ट्रीय समाचार पत्र
सच्ची व स्टीक खबर, आप तक

सम्पादक : जरनैल सिंह
छायाकार : राजरानी

गजब हरियाणा

Contact : 91382-03233
समस्त भारत में एक साथ प्रसारित
HAR/HIN/2018/77311

WWW.GAJABHARYANA.COM ✸ 01 दिसम्बर 2022 वर्ष : 5, अंक : 15 पृष्ट : 8 मूल्य: 7/- सालाना 150/- रुपये ✸ email. gajabharyananews@gmail.com

प्रेरणास्त्रोत: डॉ. कृपा राम पुनिया IAS(Retd.), पूर्व उद्योग मंत्री हरियाणा सरकार

हार्दिक स्वागत

मार्गदर्शक: डॉ. राज रूप फुलिया, IAS (Retd), पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार तथा वाइस चांसलर, गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी हिसार एवं चौधरी देवीलाल यूनिवर्सिटी, सिरसा

राष्ट्रपति ने अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव का किया शुभारंभ

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कुरुक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव का शुभारंभ करते हुए हरियाणा सरकार के विकास कार्यों की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में आयोजित अंतरराष्ट्रीय गीता संगोष्ठी का शुभारंभ किया और भगवान श्रीकृष्ण का धन्यवाद किया कि हरियाणा में बतौर राष्ट्रपति उनकी पहली यात्रा का आरंभ धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र से हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस पावन गीता जयंती महोत्सव के अवसर पर उन्हें आनंद की अनुभूति हो रही है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि कुरुक्षेत्र की भूमि पावन भूमि है। इसी सरस्वती के तट पर वेद और पुराणों को लिपिबद्ध किया गया। महाभारत में कुरुक्षेत्र के इस क्षेत्र की तुलना स्वर्ग से की गई है। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी और लोकमान्य तिलक ने भी पवित्र ग्रंथ गीता से मार्गदर्शन प्राप्त किया था। यह बड़े हर्ष का विषय है कि हरियाणा की मनोहर लाल सरकार ने वर्ष 2016 से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गीता जयंती महोत्सव को मनाने का निर्णय लिया। इस वर्ष महोत्सव में पार्टनर देश नेपाल और पार्टनर राज्य मध्यप्रदेश हैं। उन्हें बड़ी खुशी है कि देश ही नहीं विदेशों से भी लोग इस भव्य आयोजन में पहुंचे हैं। इसके लिए हरियाणा सरकार, मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल व उनकी पूरी टीम बधाई की पात्र है।

तीन परियोजनाओं के उद्घाटन व शिलान्यास पर राष्ट्रपति ने की राज्य सरकार की प्रशंसा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि राज्य सरकार ने अंत्योदय परिवारों की स्वास्थ्य जांच के लिए निरोगी हरियाणा योजना के प्रथम चरण का शुभारंभ किया है, यह प्रशंसा का विषय है। इससे जरूरतमंद परिवारों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि जनमानस तक स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंचाने के लिए राज्य सरकार ने सिरसा जिले में मेडिकल कॉलेज बनाने की शुरूआत की है, जो बेहद सराहनीय है। यह हमें गीता के उस संदेश की याद दिलाती है कि समस्त प्राणियों के हितों में लगे लोग भगवान के कृपा पात्र होते हैं। श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने राज्य सरकार द्वारा आईटी का प्रयोग करते हुए प्रदेश में ई-टिकटिंग व ओपन लूप टिकटिंग व्यवस्था शुरू करने पर राज्य सरकार की प्रशंसा की।

हरियाणा के जवानों, किसानों व बेटियों ने अपनाया गीता का संदेश

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि हरियाणा के लिए बड़े गर्व की बात है कि यहां के जवानों, किसानों व बेटियों ने अपने जीवन में गीता के कर्म करने के संदेश को अपनाया है। इससे जवानों ने देश की सेना में, किसानों ने अन्न पैदा करके और महिलाओं ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तिरंगा फहराकर हरियाणा का गौरव बढ़ाया है। हमें इन सभी पर गर्व है। श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि श्रीमद्भगवदगीता अंतरराष्ट्रीय पुस्तक है, विश्व भर में अनेक भाषाओं में अनुवाद हुआ है, जितनी टिकाएं श्रीमद्भगवद्गीता पर लिखी गई है, शायद ही किसी पुस्तक पर लिखी गई होंगी। श्रीमद्भागवत गीता आध्यात्मिक दीप स्तंभ है।

श्रीमद्भगवद्गीता का घर-घर और गांव-गांव में हो प्रचार

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता हमें कर्म करने का संदेश देती है, आलस्य का त्याग करने का संदेश देती है। अकर्मनता को त्याग कर कर्म करने से जीवन स्वस्थ होता है। उन्होंने महात्मा गांधी का उदाहरण देते हुए कहा कि वे श्रीमद्भगवद्गीता को माता मानते थे। उनका कहना था कि जन्म देने वाली मां तो नहीं रही लेकिन संकट के समय गीता मां जरुर उनका मार्गदर्शन करती है। श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि हमें श्रीमद्भगवद्गीता का घर-घर और गांव-गांव में प्रचार व प्रसार करना चाहिए, ताकि लोग गीता के उपदेशों को अपने आचरण में ढाल सकें।

गीता में है धर्म और अध्यात्म का सार-राज्यपाल

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि गीता में धर्म और अध्यात्म का सार है। सही मार्गदर्शन किया जाए तो गीता विश्व को आतंकवाद जैसी बीमारी का भी समाधान दे सकती है। उन्होंने कहा कि विश्व में द्वंद एवं अराजकता फैल जाती है तो गीता से ही शांति लाई जा सकती है। इससे मनुष्य को पूर्ण संतुष्टि मिलती है। उन्होंने कहा कि मनुष्य यदि चुनौतियों और द्वंदो से घिरा हो और कर्तव्य के असमंजस्य में थक जाता हो तो उसका मार्गदर्शन के रूप में गीता हाथ पकड़ती है। गीता में विश्व की सभी संस्कृतियों का जीवन है। इसे बड़े बड़े वैज्ञानिकों ने भी माना है। विश्वव्यापी 75 भाषाओं में गीता का प्रकाशन हुआ है और इसकी स्वीकृति को प्रमाणिक किया गया है। उन्होंने कहा कि गीता के समान ऊंचा प्रेरणा परक कोई ग्रंथ नहीं है। गीता प्रेरणा देती है और असहाय जीवन में जान फूंकती है। यह किसी मजहब का नहीं मानव जीवन का सारांश है।

अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव में राष्ट्रपति की उपस्थिति से उत्साह हुआ दोगुना-मुख्यमंत्री

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पहुंचने पर हरियाणा सरकार और हरियाणा की जनता की तरफ से हार्दिक स्वागत व अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि कर्मयोग की भूमि धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र में गीता जयंती की बेला पर राष्ट्रपति का हरियाणा में प्रथम आगमन अत्यंत शुभकारी है। उन्होंने कहा कि पिछले 7 वर्षों से गीता जयंती महोत्सव को अंतरराष्ट्रीय स्वरूप में मनाया जा रहा है, इस आयोजन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की उपस्थिति से उत्साह दोगुना हो गया है।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू कर्मयोग की साक्षात प्रतिमूर्ति-मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि गीता में कर्मयोग का संदेश दिया गया है, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू कर्मयोग की साक्षात प्रतिमूर्ति हैं। उन्होंने साधारण परिवार में जन्म लेकर भी असाधारण उपलब्धि हासिल की, जो हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। उनके लिए प्रारंभिक शिक्षा भी सपने के समान थी लेकिन उन्होंने सभी बाधाओं को पार किया और कॉलेज तक पहुंचने वाली अपने समाज की पहली बेटी बनीं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि यह उदाहरण है कि भारत में गरीब सपने भी देख सकता है और उन्हें पूरा भी कर सकता है।

मोक्षदायनी धरा पर मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति का किया अभिनंदन

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि गीता के पहले श्लोक में कुरुक्षेत्र को धर्मक्षेत्र की संज्ञा दी गई है। कुरुक्षेत्र में जल, थल और वायु तीनों मुक्ति प्रदाता हैं। कुरुक्षेत्र में निवास मात्र की इच्छा से मुक्ति मिल जाती है। भगवान श्री कृष्ण ने गीता का उपदेश देने के लिए इसी स्थान को चुना। इस मोक्षदायनी धरा पर राष्ट्रपति का अभिनंदन है।

राष्ट्रपति द्वारा हरियाणा की तीन परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करने पर मुख्यमंत्री ने जताया आभार

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा तीन परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करने पर आभार जताया। उन्होंने कहा कि गरीब व वंचित को 25 मानकों के आधार पर स्वास्थ्य की निशुल्क जांच की जाएगी। इससे प्रदेश के ज्यादा से ज्यादा लोग लाभान्वित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने को साकार करते हुए हरियाणा सरकार ने प्रदेश के हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज बनाने का लक्ष्य लिया है। इस दिशा में लगातार काम जारी है, इसी कड़ी में सिरसा जिले में मेडिकल कॉलेज का शिलान्यास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा ई-टिकटिंग व ओपन लूप टिकटिंग व्यवस्था शुरू करने वाला देश में पहला राज्य बन गया है। यह पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वन नेशन-वन कार्ड की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है।

हरियाणा ने भौतिक विकास के साथ-साथ सांस्कृतिक व पौराणिक धरोहर को संजोया-मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा ने भौतिक विकास के साथ-साथ सांस्कृतिक व पौराणिक धरोहर को संजोया है। इसी दिशा में हरियाणा आगे बढ़ रहा है और कुरुक्षेत्र का विकास किया जा रहा है। कुरुक्षेत्र को स्वदेश दर्शन योजना व कृष्णा सर्किट के रूप में विकसित किया जा रहा है। विद्यार्थियों को स्कूलों में गीता का अध्ययन करवाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम निरंतर प्रयासरत हैं कि हमारी महान संस्कृति की जीवन मूल्य नई व युवा पीढ़ी तक पहुंचे। इस मौके पर सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग द्वारा बनाई गई हरियाणा की तीन विकास परियोजनाओं पर आधारित लघु फिल्म भी दिखाई गई। इसके साथ ही राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई स्मारिका गीता विशेषांक का विमोचन किया और राष्ट्रपति को पहली प्रति भेंट की।

जमकर की हरियाणा सरकार के विकास कार्यों की प्रशंसा, तीन परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करने पर राष्ट्रपति ने की हरियाणा सरकार की तारीफ, देश में सबसे तेज गति से विकास करने वाले राज्यों में शुमार हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल को दी बधाई

संगोष्ठी में राष्ट्रपति ने निरोगी योजना का शुभारंभ किया और कुरुक्षेत्र निवासी 60 वर्षीय नसीब सिंह एवं 3 वर्षीय के मोक्ष को निरोगी योजना कार्ड प्रदान किया। राष्ट्रपति ने ई-टिकटिंग व नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड का भी शुभारंभ किया और प्रधान सचिव नवदीप सिंह वर्क ने पहली ई-टिकट व मोबिलिटी कार्ड राष्ट्रपति को सौंपा। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री कंवरपाल, गीता मनीषी ज्ञानानंद स्वामी, महर्षि वेदव्यास प्रतिष्ठान के महर्षि गोविंद गिरी महाराज ने भी अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती संगोष्ठी में अपने अमूल्य विचार प्रस्तुत किए। इस मौके पर अंबाला के सांसद रतन लाल कटारिया, खेल मंत्री संदीप सिंह, सांसद नायब सिंह सैनी, विधायक सुभाष सुधा, नेपाल के एंबेसडर डॉक्टर शंकर प्रसाद शर्मा, मुख्य सचिव संजीव कौशल, अतिरिक्त मुख्य सचिव स्वास्थ्य जी. अनुपमा व अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

उच्चतम न्यायालय का फैसला महत्वपूर्ण

आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग यानी ईडब्ल्यूएस के लोगों को 10 प्रतिशत आरक्षण को उच्चतम न्यायालय द्वारा सही ठहराया जाना अत्यंत महत्वपूर्ण फैसला है। पांच सदस्यीय संवैधानिक पीठ में से दो इसके पक्ष में नहीं थे लेकिन बहुमत के आधार पर फैसला हो गया। हालांकि ईडब्ल्यूएस के लिए आरक्षण लागू होने के बावजूद इस पर विवाद और बहस जारी रहेगा। संभावना यह भी है कि फैसले के विरुद्ध उच्चतम न्यायालय में पुनर्विचार याचिका डाली जाएगी। तमिलनाडु की सत्ता पर काबिज डीएमके नेता स्टालिन ने कहा कि हम वकीलों से विचार कर रहे हैं और पुनर्विचार याचिका डालेंगे। यद्यपि ज्यादातर दलों में खुलकर स्टालिन की तरह इसका विरोध नहीं किया है किंतु एक्टिविस्टों और बुद्धिजीवियों के जमात से इसके विरुद्ध स्वर उठ रहे हैं। विषय को पहले समझने की कोशिश करें।

2019 के लोकसभा चुनाव से पहले केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने सामान्य वर्ग के लोगों को आर्थिक आधार पर 10 फीसदी आरक्षण दिया था। 103 वें संशोधन द्वारा अनुच्छेद 15 और 16 में खंड छह जोड़कर आर्थिक रूप से पिछड़े सवर्णों के लिए नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में 10 फीसदी आरक्षण की व्यवस्था की गई थी। इस विधेयक के आने के साथ विरोध शुरू हो गया था। स्वाभाविक ही इसके पारित होने के साथ ही न्यायालय में चुनौती देने की शुरुआत हो गई। इस तर्क से विरोध आरंभ हुआ कि यह सामाजिक न्याय की अवधारणा के विरुद्ध है तथा इसमें संविधान के मूल ढांचे का भी उल्लंघन हुआ है। फरवरी, 2020 में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय में 5 छात्रों ने याचिका दायर की। इसमें कहा गया था कि इससे अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्ग को बाहर रखना संविधान की मूल भावना के विरुद्ध है। इसके खिलाफ उच्चतम न्यायालय में 40 से ज्यादा याचिकाएं दायर हुई थीं।

याचिकाकर्ताओं में डीएमके भी शामिल था। न्यायालय के सामने मुख्य तीन प्रश्न थे। एक, क्या आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग के लिए आरक्षण के लिए किया गया संशोधन संविधान की मूल भावना के खिलाफ है? दो, क्या इससे अनुसूचित जाति जनजाति के सामाजिक आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग को बाहर रखना संविधान की मूल भावना के खिलाफ है? और तीन, क्या राज्यों को अपने यहां शिक्षण संस्थानों में ईडब्ल्यूएस के लिए कोटा तय करने का अधिकार देना संविधान की मूल भावना के खिलाफ है? संविधान पीठ के फैसले का अर्थ है कि यह संविधान के मूल ढांचे के विरुद्ध नहीं है। एक प्रश्न आरक्षण की सीमा 50 फीसदी से

उच्चतम न्यायालय ने आरक्षण की समय सीमा पर भी बात की है। आरक्षण व्यवस्था अनंत काल के लिए नहीं हो सकती। राजनीति इतनी दुर्बल हो गई है कि आज कोई भी इस विषय पर बात करने को तैयार नहीं। आरक्षण जिनके लिए है उन तक पहुंच रहा है या कुछ समूह तक ही सीमित हो गया है इसकी समीक्षा की बात पर भी नेतागण और एक्टिविस्ट आगबबूला हो जाते हैं।

संबंधित भी था। अब यह देखें कि संविधान पीठ के पांच न्यायाधीशों में से किसने क्या कहा? मुख्य न्यायाधीश यू यू ललित, न्यायमूर्ति बेला त्रिवेदी, न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी, न्यायमूर्ति पारदीवाला और न्यायमूर्ति रवींद्र भट की पांच सदस्यीय पीठ में मुख्य न्यायाधीश और न्यायमूर्ति भट ईडब्ल्यूएस आरक्षण के विरुद्ध थे जबकि न्यायमूर्ति माहेश्वरी, न्यायमूर्ति त्रिवेदी और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला ने इसे उचित और संविधानसम्मत कहा।

संक्षेप में देखें कि न्यायमूर्तियों ने अपने फैसले में क्या-क्या कहा है 1.जस्टिस दिनेश माहेश्वरी-केवल आर्थिक आधार पर दिया जाने वाला आरक्षण संविधान के मूल ढांचे और समानता के अधिकार का उल्लंघन नहीं करता है। 50 फीसदी तय सीमा के आधार पर भी ईडब्ल्यूएस आरक्षण मूल ढांचे का उल्लंघन नहीं है, क्योंकि 50 फीसदी आरक्षण की सीमा अपरिवर्तनशील नहीं है। 2. न्यायमूर्ति बेला त्रिवेदी-मैं न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी से सहमत हूं और यह मानती हूं की ईडब्ल्यूएस आरक्षण मूल ढांचे का उल्लंघन नहीं है और न ही यह किसी तरह का पक्षपात है। यह बदलाव आर्थिक रूप से कमजोर तबके को मदद पहुंचाने के तौर पर ही देखना जाना चाहिए। इसे अनुचित नहीं कहा जा सकता है।

3.न्यायमूर्ति पारदीवाला-न्यायमूर्ति माहेश्वरी और न्यायमूर्ति बेला त्रिवेदी से सहमत होते समय मैं यहां कहना चाहता हूं कि आरक्षण का अंत नहीं है। इसे अनंतकाल तक जारी नहीं रहना चाहिए, वर्ना यह निजी स्वार्थ में तब्दील हो जाएगा। आरक्षण सामाजिक और आर्थिक असमानता खत्म करने के लिए है। यह अभियान सात दशक पहले शुरू हुआ था। प्रगति और शिक्षा ने इस खाई को कम करने का काम किया है। न्यायमूर्ति रवींद्र भट-आर्थिक रूप से कमजोर और गरीबी झेलने वालों को सरकार आरक्षण दे सकती है और ऐसे में आर्थिक आधार पर आरक्षण अवैध नहीं है, लेकिन इसमें से अनुसूचित जाति-जनजाति और अन्य पिछड़े वर्ग को बाहर किया जाना असंवैधानिक है। मैं यहां विवेकानंदजी की बात याद दिलाना चाहूंगा कि भाईचारे का मकसद समाज के हर सदस्य की चेतना को जगाना है। ऐसी प्रगति बंटवारे से नहीं, बल्कि एकता से हासिल की जा सकती है।

यह समानता की भावना को खत्म करता है। यह संविधान के मूल ढांचे का भी उल्लंघन है। ऐसे में मैं ईडब्ल्यूएस आरक्षण को गलत ठहराता हूं। मुख्य न्यायाधीश यूयू ललित-मैं न्यायमूर्ति रवींद्र भट के विचारों से पूरी तरह सहमत हूं। संशोधन के दायरे से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के गरीबों को बाहर रखना भेदभाव दर्शाता है जो कि संवैधानिक रूप से प्रतिबंधित है। थोड़े विस्तार में जाएं तो न्यायमूर्ति भट्ट की कुछ पंक्तियां ध्यान देने योग्य है, गणतंत्र के सात दशकों में पहली बार इस अदालत ने स्पष्ट रूप से बहिष्करण और भेदभावपूर्ण को मंजूरी दी है। हमारा संविधान बहिष्कार की भाषा नहीं बोलता है। मेरा मानना है कि यह संशोधन सामाजिक न्याय के ताने-बाने को कमजोर करता है।

इसके समानांतर आरक्षण का समर्थन करने वाले न्यायमूर्ति माहेश्वरी ने कहा है कि 103वें संशोधन को संविधान के मूल ढांचे को भंग करने वाला नहीं कहा जा सकता। आरक्षण सकारात्मक कार्य करने का एक जरिया है ताकि समतावादी समाज के लक्ष्य की ओर सर्वसमावेशी तरीके से आगे बढ़ा जा सके। यह किसी भी वंचित समूह के समावेश का एक साधन है। इसी तरह न्यायमूर्ति त्रिवेदी और पारदीवाला ने कहा कि केवल आर्थिक आधार पर दाखिलों और नौकरियों में आरक्षण संविधान के बुनियादी ढांचे का उल्लंघन नहीं करता। 103वें संविधान संशोधन को सकारात्मक कदम के तौर पर देखना होगा।

संसद व राज्य विधायकों से लेकर स्थानीय निकायों में राजनीतिक आरक्षण, नौकरियों और संस्थाओं में आरक्षण के कारण अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति व अन्य पिछड़ा वर्ग में शामिल जातियों का सामाजिक-आर्थिक-शैक्षणिक उत्थान हुआ। सरकार के अन्य कल्याणकारी कार्यक्रमों से भी उन्हें लाभ मिला है। ऐसा नहीं है कि सब कुछ अच्छा हो गया है किंतु स्थिति वैसी ही नहीं है जैसी पहले थी। जिन्हें सामाजिक शैक्षणिक रूप से उच्च वर्ग माना गया उनमें भी ऐसे लोगों की बड़ी संख्या है जो आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े हुए हैं।

जरनैल रंगा

एक लाख से अधिक युवाओं को रोजगार के लिए भेजा जाएगा विदेशों में : मनोहर लाल

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

करनाल ।मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले हरियाणा प्रदेश में अव्यवस्था थी, इसको बदलने का काम किया है। यह प्रदेश में एक लाख से उपर नियमित सरकारी नौकरी पारदर्शिता एवं योग्यता के आधार पर दी गई। इसमें ना किसी की पर्ची, ना किसी की खर्ची चली है। जबकि विपक्ष की सरकार ने नेताओं द्वारा एचएसएससी व एचपीएससी को लिस्ट भेजी जाती थी और उन्हीं लोगों को रोजगार मिलता था। उन्होंने कहा कि आज प्रतियोगिता का युग है। कला शिक्षा सहायक स्वयं भी प्रतियोगिता की तैयारी करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि हमारी कोशिश रहेगी कि कौशल एवं विकास निगम के माध्यम से रखे गए कर्मचारियों को तब तक नहीं निकाला जाएगा जब तक वे स्वयं छोड़कर ना चले जाए।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल शुक्रवार को करनाल प्रवास के दौरान डॉ. मंगलसेन ऑडोटोरियम में हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से रखे गए कर्मचारियों द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में भारतीय मजदूर संघ का भी सहयोग रहा। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि युवाओं के आर्थिक शोषण को खत्म करने के लिए कौशल रोजगार निगम का गठन किया गया। यह आउट सोर्सिंग से जुड़ी सेवाओं में ठेका प्रथा बंद करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि अब तक करीब 90 हजार से अधिक कर्मचारियों को इस निगम के माध्यम से समायोजित किया जा चुका है। यह कर्मचारी विभिन्न विभागों, बोर्डो, निगमों में आउटसोर्सिंग एजेसियों के माध्यम से लगाए गए थे। उन्होंने ने बताया कि दो दिन पहले ही इस निगम के माध्यम से एक क्लिक से ही 2075 टीजीटी व पीजीटी अध्यापकों को नियुक्ति पत्र दिए गए है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार 9870 जेबीटी टीचरों को ज्वाइन कराए बगैर उनका भविष्य अधर में छोड़कर चली गई थी। उनमें से 9670 को ज्वाईन करवा दिया गया है, शेष 200 को भी अगले दो तीन दिन में ही ज्वाईन करवा दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि ग्रुप सी व डी के पदों पर भर्ती के लिए साक्षात्कार खत्म कर लिखित परीक्षा का प्रावधान किया गया। प्रदेश में ग्रुप सी व डी पदों की भर्ती के संबंध में लिखित परीक्षा के लिए 90 अंक व अनुभव तथा सामाजिक आर्थिक मापदंडों के लिए अधिक्तम 10 अंक निर्धारित किए गए है। उन्होंने बताया कि पुलिस भर्ती में पारदर्शिता पद्धति लागू की गई है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा जिस परिवार में एक भी नौकरी नहीं है, उनको 5 अंक अलग से दिए जा रहे हैं ताकि उस गरीब परिवार में भी सरकारी नौकरी का लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रदेश सरकार द्वारा रोजगार का प्रबंध करने बारे स्किल्ड प्रशिक्षण देने की भी व्यवस्था की गई है, इसके उपरांत विदेशों में भी युवाओं की रिप्लेसमेंट की जाएगी। इस योजना के तहत एक वर्ष में 1 लाख युवाओं को विदेश भेजने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने यह भी कहा कि जो युवा अपने हुनर के दम पर उद्योग लगाना चाहते हैं, उनको सरकार प्रोत्साहित करेगी तथा निजी औद्योगिक इकाईयों में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाएगी।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा कॉमन एलिजिबिल्टि टेस्ट हाल ही में ग्रुप सी की भर्ती के लिए लिया गया है, जिसमें करीब 11 लाख युवाओं ने आवेदन किया था, जिनमें से करीब साढ़े 6 लाख युवाओं ने परीक्षा दी। उम्मीद है कि इनमें से 50 प्रतिशत से अधिक युवा उत्तीर्ण होंगे और सीईटी की वैधता अगले तीन साल तक रहेगी। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा सीईटी टेस्ट हर साल लिया जाएगा और जो बच्चे इसमें सुधार भी करना चाहते है वे भी अप्लाई कर सकते है। उन्होंने बताया कि ग्रुप डी के लिए भी जल्द ही कॉमन एलिजिबिलिटी टैस्ट लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि भ्रष्टाचार को रोकने के लिए विजिलेंस के कर्मचारियों की संख्या 7 गुणा बढ़ा दिया गया है। इसके अलावा सीएम फ्लाईंग की पॉवर को भी बढ़ाया गया है और दोषियों को सलाखों के पीछे भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 71 लाख परिवार पहचान पत्र के माध्यम से रजिस्टर्ड किया गया है। मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के तहत कम आय वाले परिवारों को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार व स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए जाएंगे।

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने से पहले अच्छी तरह पड़ताल कर लें । किसी उत्पाद या सेवाओं के संबध में किसी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की '**गजब हरियाणा**' समाचार पत्र की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी। '**गजब हरियाणा**' समाचार पत्र के प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापनदाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेवार नहीं होंगे।

- समाचार पत्र के सभी पद अवैतनिक है। लेखकों के विचार अपने है। इनसे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र कुरुक्षेत्र होगा। प्रकाशित सामग्री से प्रिंटिंग प्रैस का कोई लेना देना नही है।
- समाचार पत्र से सम्बधिंत किसी भी प्रकार की आपत्ति या पूछताछ प्रकाशन तिथि के 15 दिन के अंदर संपादक के नोटिस में लाएं उसके पश्चात् किसी आपत्ति पर कोई भी कार्यवाही मान्य नही होगी या पूछताछ का जवाब देने के लिए समाचार पत्र या संपादक मंडल पाबंद नहीं होंगे।
- यदि ब्यूरो प्रमुख, पत्रकार व विज्ञापन प्रतिनिधि आदि लगातार 60 दिन तक समाचार पत्र के लिए काम नही करता है तो उसका समाचार पत्र से कोई संबंध नही होगा, ना ही उसके किसी भी दावे पर कोई विचार किया जाएगा।

चेक बाउंस मामले में पूर्व जूनियर अकाउटेंट को एक साल कैद की सजा

खाते में पर्याप्त राशि न होने से हुआ था चेक बाउंस

शिकायतकर्ता ने लगाया था आरोप अधिक ब्याज दिलाने के नाम पर लिए थे नौ लाख

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी शेर सिंह की अदालत ने चेक बाउंस के मामले में दोषी जूनियर अकाउटेंट को एक साल कैद की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर 14 लाख रुपये हर्जाना भी किया है।

सेक्टर 13 निवासी जगमोहन बंसल ने अदालत में याचिका दायर की थी कि कुरुक्षेत्र अर्बन बैंक के तत्कालीन जूनियर अकाउटेंट मिहा सिंह ने साजिश के तहत उससे नौ लाख रुपये नकद लिए थे। जूनियर अकाउटेंट ने उसे बताया था कि बैंक में जमा राशि पर बहुत कम ब्याज मिलता है। अगर वह पैसे उसके पास जमा कराएगा तो वह उसे अच्छा ब्याज दिलवा देगा। वह जूनियर अकाउटेंट की बातों में आ गया और उसने नौ लाख रुपये उसे दे दिए। जूनियर अकाउटेंट ने काफी दिन तक उसे पैसे नहीं लौटाए और पैसे मांगे तो वह उसे लगातार टरकाता रहा।

जगमोहन बंसल ने याचिका में कहा था कि उसने जूनियर अकाउटेंट को जनवरी 2013 में पांच लाख, आठ मार्च 2013 को तीन लाख और 14 अप्रैल 2013 को एक लाख रुपये दिए थे। जूनियर अकाउटेंट ने वादे के मुताबिक जब उसे ना तो उसके पैसे वापस दिए और ना ही उसे ब्याज दिया तो उसे शक हुआ। जूनियर अकाउटेंट से उसने अपने पैसे मांगे तो उसे 30 नवंबर 2018 को तीन लाख, तीन दिसंबर 2018 को एक लाख, छह नवंबर 2018 को तीन लाख रुपये का चेक दिया। जो उसने बैंक में लगाए, लेकिन बैंक से सभी चेक बाउंस हो गए। जूनियर अकाउटेंट ने उसके साथ धोखाधड़ी कर उसकी राशि का दुरुपयोग किया है। इसके बाद मिहा सिंह को लीगल नोटिस दिया, लेकिन उसने लीगल नोटिस का भी कोई जवाब नहीं दिया। जिस पर शिकायतकर्ता ने अदालत की शरण ली। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी शेर सिंह की अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के पश्चात आरोपी मिहा सिंह को दोषी करार देते हुए एक साल कैद की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर 14 लाख रुपये हर्जाना राशि शिकायतकर्ता को देने के आदेश दिए हैं। तय तिथि तक राशि नहीं लौटाने उसे तीन माह की अतिरिक्त कैद काटनी होगी। अदालत ने मिहा सिंह को फैसले के खिलाफ ऊपरी अदालत में अपील करने के लिए 30 दिन का समय दिया है।

भारतीय नागरिकों के लिए 26 नवंबर का दिन बेहद खास

संविधान ही है जो हमें एक आजाद देश का आजाद नागरिक की भावना का एहसास कराता है

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर । उप पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार ने कहा कि हर भारतीय नागरिक के लिए हर साल 26 नवंबर का दिन बेहद खास होता है। दरअसल यही वह दिन है जब देश की संविधान सभा ने मौजूदा संविधान को विधिवत रूप से अपनाया था। यह संविधान ही है जो हमें एक आजाद देश का आजाद नागरिक की भावना का एहसास कराता है। जहां संविधान के दिए मौलिक अधिकार हमारी ढाल बनकर हमें हमारा हक दिलाते हैं, वहीं इसमें दिए मौलिक कर्तव्य में हमें हमारी जिम्मेदारियां भी याद दिलाते हैं। हर वर्ष 26 नवंबर का दिन देश में संविधान दिवस के तौर पर मनाया जाता है। 26 नवंबर को राष्ट्रीय कानून दिवस के रूप में भी जाना जाता है।

उप पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार जिला सचिवालय के सभागार में अधिकारियों, कर्मचारियों को भारत के संविधान की उद्देशिका संविधान दिवस की शपथ दिलवाई। उन्होंने कहा कि 26 नवंबर, 1949 को ही देश की संविधान सभा ने वर्तमान संविधान को विधिवत रूप से अपनाया था। हालांकि इसे 26 जनवरी, 1950 को लागू किया गया था। साल 2015 में संविधान के

निर्माता डा. आंबेडकर के 125वें जयंती वर्ष के रूप में 26 नवंबर को सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने इस दिवस को संविधान दिवस के रूप में मनाने के फैसले को अधिसूचित किया था। संवैधानिक मूल्यों के प्रति नागरिकों में सम्मान की भावना को बढ़ावा देने के लिए यह दिवस मनाया जाता है। उपायुक्त के आदेशानुसार जिला के सभी कार्यालयों में शपथ दिलवाई गई।

उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान विश्व का सबसे लंबा लिखित संविधान है। इसके कई हिस्से यूनाइटेड किंगडम, अमेरिका, जर्मनी, आयरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और जापान के संविधान से लिये गये है। इसमें देश के नागरिकों के मौलिक अधिकारों, कर्तव्यों, सरकार की भूमिका, प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, राज्यपाल और मुख्यमंत्री की शक्तियों का वर्णन किया गया है। विधानपालिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका का क्या काम है, उनकी देश को चलाने में क्या भूमिका है, इन सभी बातों का जिक्र संविधान में है।

इस अवसर पर डीसी कार्यालय के अधीक्षक गुलशन कपूर, एआईपीआरओ मनोज पाण्डेय, जिला नाजिर राम मेहर सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

भारतीय संविधान विश्व का सबसे बेहतरीन संविधान : डॉ. आर आर फुलिया

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । सेवानिवृत्त अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. आर आर फुलिया ने कहा है कि डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा संविधान सभा के सदस्यों के सहयोग से लिखा गया भारतीय संविधान विश्व का सबसे बेहतरीन संविधान है। 75 साल बाद आज भी भारतीय संविधान अन्य देशों से अधिक ताकतवर संविधान है, बल्कि दूसरे देशों ने अपने संविधान में भारतीय संविधान से सीख लेकर संविधान की कुछ बातों को शामिल किया है। संविधान सभा ने मजबूती के साथ जो देश को चलाने के लिए संविधान बनाया था, वह आज भी देश को स्वाधीनता, न्याय, बराबरी के पथ पर ले जाने का काम कर रहा है। वे शनिवार को संविधान दिवस के मौके पर अंबेडकर चौक स्थित डा. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के दौरान संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि कुछ ताकतें संविधान के मूल्यों को कमजोर करने में लगी हुई हैं, लेकिन इसके बावजूद भी भारतीय संविधान अपनी श्रेष्ठता को बनाए हुए है। उन्होंने समाज के लोगों को संविधान दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हम संविधान में दी गई बातों पर चलकर अपना व अपने बच्चों का भविष्य सुरक्षित कर सकते हैं। श्री गुरु

रविदास मंदिर एवं धर्मशाला के प्रधान सूरजभान नरवाल ने भी डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और समाज के लोगों को संविधान दिवस की शुभकामनाएं दी।

इस मौके पर डिप्टी रेंज आफिसर सतबीर कैत, धर्मपाल, रिटायर्ड एसडीओ जगतार चंद नरवाल, सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी रामकुमार, जोगी राम घराडसी, ओमप्रकाश तथा छात्रावास के विद्यार्थी मौजूद रहे।

संविधान हमें हक और अधिकार के साथ मौलिक अधिकार व कर्तव्यों का कराता है बोध : सुरेंद्र भोरिया

युवाओं को किया आह्वान, नशे से बचें, मिलजुल कर अच्छे समाज का करें निर्माण

सेक्टर 8 स्थित अंबेडकर भवन में आयोजित किया गया संविधान दिवस व ज्योतिबा फूले की पुण्यतिथि

भारतीय संविधान विश्व का सबसे सर्वोत्तम संविधान: राजीव प्रसाद

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र भोरिया ने कहा है कि भारतीय संविधान हर नागरिक को हक और अधिकार दिलाने के साथ साथ उन्हें मौलिक अधिकार दिलाता है। भारतीय संविधान विश्व का सबसे सुंदर संविधान है। संविधान हमें कर्तव्यों और डयूटी के प्रति भी जागरूक करता है। इसलिए हम सबका दायित्व बनता है कि हम संविधान के तहत अपने अधिकार के साथ साथ डयूटियों व कर्तव्यों का निर्वहन करें। कर्तव्यों को समझें और एक अच्छा नागरिक बनें। वे शनिवार को सेक्टर 8 स्थित डॉ. अंबेडकर भवन में आयोजित संविधान दिवस और ज्योतिबा फूले की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर ने हमें विश्व का सबसे बढिया संविधान देने का काम किया। संविधान की देश की प्रगति व विकास में अहम भूमिका है। उन्होंने विशेषकर युवाओं से आह्वान किया कि वे भारतीय संविधान से प्रेरणा लेकर आगे बढें। अच्छे नेतृत्व में ज्ञान लेकर भविष्य सुरक्षित करें। गलत मार्ग पर न चलें। उन्होंने युवाओं को कहा कि वे नशे से दूर रहें और मिलजुल कर अच्छे समाज का निर्माण करें, तभी देश प्रगति के पथ पर अग्रसर होगा। इससे पूर्व कार्यक्रम में पहुंचने पर अंबेडकर भवन के प्रधान डॉ. रामभगत लांगयान, डॉ. सी आर जिलोवा, अजमेर सिंह, लख्मी चंद, श्याम लाल, जीत सिंह शेर, रिटायर्ड डीएसपी आर सी राठी आदि ने पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र भोरिया का शॉल व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया।

वशिष्ठ अतिथि के रूप में कार्यक्रम में पहुंचे शाहाबाद शुगर मिल के एमडी राजीव प्रसाद ने भारतीय संविधान की प्रशंसा करते हुए कहा कि डॉ. भीमराव बहुत बड़े जिज्ञासु थे। व्यक्तिगत रूप से अगर बात करें तो सबसे बड़ा पुस्तकालय डॉ. भीमराव अंबेडकर ने बनाया हुआ था, जिसमें 50 हजार पुस्तकों का संग्रहालय था। उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर सिंबल ऑफ नालेज थे। जिन्होंने विश्व का सबसे सर्वोत्तम संविधान बनाया।

उन्होंने युवाओं को भारतीय संविधान से प्रेरणा लेने की सीख देते हुए कहा कि युवा ज्ञान की ज्योति को ज्यादा से ज्यादा सीखें। ज्ञान ही उन्हें शिखर तक ले जाएगा। उन्होंने महात्मा ज्योतिबा फुले को बहुत बड़ा समाज सुधारक बताया और कहा कि आज उनकी बदौलत ही ज्ञान की बातें होती हैं। विद्या ऐसा धन है जिसे कोई चुरा नहीं सकता। डॉ. रामभगत लांगयान ने कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों का स्वागत किया और सभी को संविधान दिवस की शुभकामनाएं दी। अंबेडकर भवन कमेटी की ओर से कार्यक्रम में पहुंचे सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर डा. सुनीता सिंह, सेवानिवृत्त एसई राममेहर, एसपी सिरोहा, एजीएम आनंद कुमार, पूर्व प्रधान फकीर चंद, बलदेव सिंह कल्याण एडवोकेट, एसडीओ रिटायर जगतार काजल, राजेश्वर, राजा राम, धर्मवीर भोरिया, रामशरण भोला, टी आर बिबियान आदि मौजूद रहे।

संविधान दिवस पर किया विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

संविधान किसी भी देश रीड की हड्डी : बलजीत सिंह

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । शनिवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हरीपुर के प्रांगण में संविधान दिवस कार्यक्रम मनाया गया और अनेक प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें निबंध लेखन, कविता पाठ ,भाषण इत्यादि गतिविधियां शामिल हैं। कार्यक्रम का संचालन रितेश कौशिक अर्थशास्त्र ने किया। इस अवसर पर स्कूल प्रधानाचार्य बलजीत सिंह जास्ट ने संविधान निर्माण में बाबा भीमराव अंबेडकर के योगदान के विषय में बताते हुए कहा कि संविधान किसी भी देश रीड की हड्डी होता है। वो ही ऐसा आधारभूत ढांचा तैयार करता है जिससे कोई भी देश सुनियोजित ढंग से विकसित हो सके। विद्यार्थियों मैं उत्साह वर्धन करते हुए प्रधानाचार्य ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी में कोई ना कोई योग्यता अवश्य होती है सिर्फ जरूरत उनकी इस प्रतिभा को निखारने की है। उन्होंने कहा की स्कूली स्तर पर शिक्षक इस प्रतिभा को निखारने की अद्भुत क्षमता रखते हैं इसलिए सभी विद्यार्थियों के चहुंमुखी विकास के लिए विद्यार्थी व अध्यापकों का सक्रिय होना अत्यंत आवश्यक है तभी उनके अंदर छुपी हुई प्रतिभा को निखारा जा सकता है। उन्होंने कहा कि सभी को बाबा भीमराव अंबेडकर जी के जीवन से सीख लेनी चाहिए कि कठिन परिस्थितियां होते हुए भी अपने लक्ष्य को किस प्रकार से प्राप्त किया जा सकता है। 25 नवम्बर को कानूनी साक्षरता के अंतर्गत खंड स्तरीय प्रतियोगिताओं में विजेता रहे छात्र-छात्राओं को भी विद्यालय स्तर पर सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य व अन्य स्टाफ सदस्यों ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी।

अब कौन बताए ?

चेहरे है सब क्यों मुरझाए,
अब कौन बताए ।
क्यों फैले दहशतगर्दी के साये,
अब कौन बताए ।।

कभी होकर देश पे कुर्बान,
जो अमर हुए थे,
सपूत वही आज क्यों घबराये,
अब कौन बताए ।

कौन है कातिल भारत माँ के,
सब अरमानों का,
है हर चेहरा नकाब लगाए,
अब कौन बताए ।

लिखूं क्या कहानी मैं
वतन पे मिटने वालों की
वो तो मर के भी मुस्काए,
अब कौन बताए।

ये शब्दों की आजाद शमां,
यूं ही जलती जाएगी,
बुझे न दिल की आग बुझाए,
अब कौन बताए।

इस माटी में जन्मी, एक रोज,
इसी में मिल जाऊँगी,
है अरमां काम देश के आए,
अब कौन बताए ।

(प्रियंका सौरभ के काव्य संग्रह' दीमक लगे गुलाब' से)

प्रियंका सौरभ
रिसर्च स्कॉलर इन पोलिटिकल साइंस,
कवयित्री, स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार,
हिसार

भारतीय संविधान

भाग और अनुच्छेद नं. 202 से 231

वित्तीय विषयों के संबंध में प्रक्रिया

अनुच्छेद 202 : वार्षिक वित्तीय विवरण
अनुच्छेद 203 : विधान-मंडल में प्राक्कलनों के संबंध में प्रक्रिया
अनुच्छेद 204 : विनियोग विधेयक
अनुच्छेद 205 :अनुपूरक, अतिरिक्त या अधिक अनुदान
अनुच्छेद 206 :लेखानुदान, प्रत्ययानुदान और अपवादानुदान
अनुच्छेद 207 : वित्त विधेयकों के बारे में विशेष उपबंध

साधारणतया प्रक्रिया

अनुच्छेद 208 : प्रक्रिया के नियम
अनुच्छेद 209 : राज्य के विधान-मंडल में वित्तीय कार्य संबंधी प्रक्रिया का विधि द्वारा विनियमन
अनुच्छेद 210 : विधान मंडल में प्रयोग की जाने वाली भाषा
अनुच्छेद 211 : विधान-मंडल में चर्चा पर निर्बंधन
अनुच्छेद 212 : न्यायालयों द्वारा विधन मंडल की कार्यवाहियों की जांच न किया जाना

अध्याय 4. राज्यपाल की विधायी शक्ति

अनुच्छेद 213 : विधानमंडल में अध्यादेश सत्यापित करने के राज्यपाल की शक्ति

अध्याय 5. राज्यों के उच्च न्यायालय

अनुच्छेद 214 : राज्यों के लिए उच्च न्यायालय
अनुच्छेद 215 : उच्च न्यायालयों का अभिलेख न्यायालय होना
अनुच्छेद 216 : उच्च न्यायालय का गठन
अनुच्छेद 217 : उच्च न्यायालय न्यायाधीश की नियुक्ति पद्धति शर्तें
अनुच्छेद 218 : उच्चतम न्यायालय से संबंधित कुछ उपबंधों का उच्च न्यायालयों का लागू होना
अनुच्छेद 219 : उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों द्वारा शपथ या प्रतिज्ञान
अनुच्छेद 220 : स्थायी न्यायाधीश रहने के पश्चात विधि-व्यवसाय पर निर्बंधन
अनुच्छेद 221 : न्यायाधीशों का वेतन
अनुच्छेद 222 : एक न्यायालय से दूसरे न्यायालय में न्यायाधीशों का अंतरण
अनुच्छेद 223 : कार्यकारी मुख्य न्याय मूर्ति के नियुक्ति
अनुच्छेद 224 : अन्य न्यायाधीशों की नियुक्ति

अनुच्छेद 224क : उच्च न्यायालयों की बैठकों में सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की नियुक्ति
अनुच्छेद 225 : विद्यमान उच्च न्यायालयों की अधिकारिता
अनुच्छेद 226 : कुछ रिट निकालने के लिए उच्च न्यायालय की शक्ति
अनुच्छेद 227 :सभी न्यायालयों के अधीक्षण की उच्च न्यायालय की शक्ति
अनुच्छेद 228 : कुछ मामलों का उच्च न्यायालय को अंतरण
अनुच्छेद 229 : उच्च न्यायालयों के अधिकारी और सेवक तथा व्यय
अनुच्छेद 230 : उच्च न्यायालयों की अधिकारिता का संघ राज्य क्षेत्रों पर विस्तार
अनुच्छेद 231 : दो या अधिक राज्यों के लिए एक ही उच्च न्यायालय की स्थापना

अंग्रेजी सीखने के मुख्य टिप्स

स्वयं का परिचय के प्रोफार्मा को पूरा करें.....
Self- Introduction
संप्रेषण कला के विकास में, पहले कदम के रूप में, अपना परिचय बहुत ही महत्वपूर्ण है। विद्यार्थी इसमें ये गलतियां करते हैं: -
1. I am twelve year old. (years लिखें)
2. I read in..... class. (read की बजाय study प्रयोग करें)।
3. My school name is Govt Sr Sec School.....(इसके बजाय इसे ऐसे लिखें: I study in sixth class in Govt Sr Sec School.....
4. My father name is..... My mother name is.....(सही शब्द हैं--My father's name is.....My mother's name is.....)।
5. My favourite subject are English and Mathematics. (एक विषय के लिए subject is और ज्यादा के लिए subjects are लिखें)।
6. My favourite hobbies are.....(write: My hobbies are..... favourite लिखने की जरूरत नहीं है।)।
7. I want to become teacher. (I want to become a teacher, a pilot, a scientist, an I.A.S. officer, an I.P.S. officer, an engineer सही प्रयोग हैं।

अध्यापक, माता-पिता और अभिभावक यह प्रयास करें कि विद्यार्थियों की झिझक खुले, वे सही पढ़ना और लिखना सीखें और फिर बोलने की हिम्मत भी आए। जो सुधी मित्र विद्यार्थियों में संप्रेषण कला विकसित करने के हमारे प्रयासों को समझकर, तैयार किए गए बच्चों के कार्य देखते रहते हैं और उन पर अपने सुझाव देकर

प्रेरित भी करते रहते हैं, उसके लिए उनका हार्दिक धन्यवाद।

जिस लग्न से विद्यार्थी सीख रहे हैं, उससे लगता है वे जीवन में जरूर आगे जाएंगे। सुधी मित्रों से अनुरोध है कि वे छोटे बच्चों पर अपनी कृपा दृष्टि बनाए रखें। धन्यवाद

डॉ रणजीत फुलिया

सरपंच फेरूवाला ने की गांव की हर लड़की को 3100 रुपए कन्यादान देने की घोषणा

गजब हरियाणा न्यूज /सुखबीर

यमुनानगर । फेरूवाला के सरपंच रविकुमार की ओर से रवि एक नई मुहिम की शुरुआत की है। उन्होंने गांव फेरूवाला में रहने वाली हर लड़की की शादी में 3100 रुपए कन्यादान की घोषणा की। सबसे पहले शमशाद अली की बेटी कि शादी में ग्राम पंचायत की तरफ से कन्यादान दिया गया जो अति सहरानीय है।

सरपंच रविकुमार ने कहा की ग्राम पंचायत के पास निमंत्रण पत्र परिवार का सदस्य लेकर आए।

करनाल व पानीपत में पत्रकारिता के इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें।
92551-03233

ज्ञान आनंद प्रकाश आश्रम चाहड़ों में हुआ मासिक सत्संग का आयोजन

गजब हरियाणा न्यूज

यमुनानगर । संत शिरोमणि श्री रविदास ज्ञान प्रकाश आनंद आश्रम चाहडो में कमेटी प्रबंधक अशोक कुमार की अध्यक्षता में मासिक सत्संग का आयोजन किया गया। सत्संग मे मुख्य अतिथि के रुप में पहुंचे रवि कुमार सरपंच ग्राम पंचायत फेरूवाला जिन्होंने अपनी नेक कमाई से सहयोग देकर गुरु जी के श्री चरणों में अपनी हाजरी लगाई। गद्दीनशीन संत सुंदरानंद सरस्वती जी महाराज ने श्री गुरु रविदास जी महाराज को पवित्र अमृतबाणी से निहाल किया। इस मौके पर श्री गुरू रविदास ज्ञान आनंद प्रकाश आश्रम के अध्यक्ष अशोक कुमार, सरपंच फेरूवाला, देवी दयाल, गुलजार सिंह धर्म बीर, सुशील कुमार, अकित कुमार नरेश पाल, राज कुमार आदि मौजूद रहे।

बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जी महापरिनिर्वाण दिवस विशेष (6 दिसंबर)

डॉ. भीमराव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को महू में सूबेदार रामजी सकपाल एवं भीमाबाई की चौदहवीं संतान के रूप में हुआ था। उनके व्यक्तित्व में स्मरण शक्ति की प्रखरता, बुद्धिमत्ता, ईमानदारी, सच्चाई, नियमितता, दृढ़ता, प्रचंड संग्रामी स्वभाव का मणिकांचन मेल था। उनकी यही अद्वितीय प्रतिभा अनुकरणीय है।

वे एक मनीषी, योद्धा, नायक, विद्वान, दार्शनिक, वैज्ञानिक, समाजसेवी एवं धैर्यवान व्यक्तित्व के धनी थे। वे अनन्य कोटि के नेता थे, जिन्होंने अपना समस्त जीवन समग्र भारत की कल्याण कामना में उत्सर्ग कर दिया। खासकर भारत के 80 फीसदी दलित सामाजिक व आर्थिक तौर से अभिशप्त थे, उन्हें अभिशाप से मुक्ति दिलाना ही डॉ. अंबेडकर का जीवन संकल्प था।

वे अत्याचार और लांछन की तेज धूप में टुकड़ा भर बादल की तरह भीम के लिए मां के आंचल की छांव बन गए। बाबा साहब ने कहा- वर्गहीन समाज गढ़ने से पहले समाज को जातिविहीन करना होगा। समाजवाद के बिना दलित-मेहनती इंसानों की आर्थिक मुक्ति संभव नहीं।

डॉ. अंबेडकर की रणभेरी गूंज उठी, समाज को श्रेणीविहीन और वर्णविहीन करना होगा क्योंकि श्रेणी ने इंसान को दरिद्र और वर्ण ने इंसान को दलित बना दिया। जिनके पास कुछ भी नहीं है, वे लोग दरिद्र माने गए और जो लोग कुछ भी नहीं है वे दलित समझे जाते थे।

बाबा साहेब ने संघर्ष का बिगुल बजाकर आह्वान किया, छीने हुए अधिकार भीख में

नहीं मिलते, अधिकार वसूल करना होता है। उन्होंने ने कहा है, हिन्दुत्व की गौरव वृद्धि में वशिष्ठ जैसे ब्राह्मण, राम जैसे क्षत्रिय, हर्ष की तरह वैश्य और तुकाराम जैसे शूद्र लोगों ने अपनी साधना का प्रतिफल जोड़ा है। उनका हिन्दुत्व दीवारों में घिरा हुआ नहीं है, बल्कि ग्रहिष्णु, सहिष्णु व चलिष्णु है। बड़ौदा के महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ ने भीमराव अंबेडकर को मेधावी छात्र के नाते छात्रवृत्ति देकर 1913 में विदेश में उच्च शिक्षा के लिए भेज दिया।

अमेरिका में कोलंबिया विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, मानव विज्ञान, दर्शन और अर्थ नीति का गहन अध्ययन बाबा साहेब ने किया। वहां पर भारतीय समाज का अभिशाप और जन्मसूत्र से प्राप्त अस्पृश्यता की कालिख नहीं थी। इसलिए उन्होंने अमेरिका में एक नई दुनिया के दर्शन किए। डॉ. अंबेडकर ने अमेरिका में एक सेमिनार में भारतीय जाति विभाजन पर अपना मशहूर शोध-पत्र पढ़ा, जिसमें उनके व्यक्तित्व की सर्वत्र प्रशंसा हुई।

डॉ. अंबेडकर के अलावा भारतीय संविधान की रचना हेतु कोई अन्य विशेषज्ञ भारत में नहीं था। अत: सर्वसम्मति से डॉ. अंबेडकर को संविधान सभा की प्रारूपण समिति का अध्यक्ष चुना गया। 26 नवंबर 1949 को डॉ. अंबेडकर द्वारा रचित (315 अनुच्छेद का) संविधान पारित किया गया।

डॉ. अंबेडकर का लक्ष्य था- सामाजिक असमानता दूर करके दलितों के मानवाधिकार की प्रतिष्ठा करना। डॉ. अंबेडकर ने गहन-गंभीर आवाज में सावधान किया था, 26 जनवरी 1950 को हम परस्पर विरोधी जीवन में प्रवेश कर रहे हैं। हमारे राजनीतिक क्षेत्र में समानता रहेगी किंतु सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में असमानता रहेगी। जल्द से जल्द हमें इस परस्पर विरोधता को दूर करना होगी। वर्ना जो असमानता के शिकार होंगे, वे इस राजनीतिक गणतंत्र के ढांचे को उड़ा देंगे।

अंबेडकर मधुमेह से पीड़ित थे। 6 दिसंबर 1956 को उनकी मृत्यु दिल्ली में नींद के दौरान उनके घर में हो गई। 1990 में उन्हें मरणोपरांत भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

हम हैं दरिया हमें अपना हुनर मालूम है,
जिस तरफ निकल जाएंगे, वहीं रास्ता बना लेंगे।

यही उक्ति डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन संघर्ष का प्रतीक है।

अमृतवाणी

श्री गुरु रविदास जिओ की

जय गुरुदेव जी

प्रानी बध नहि कीजियहि जीवह ब्रह्मा समान ।।
रविदास पाप नांह छुटई करोर गउन करहि दान ।।

व्याख्या : श्री गुरू रविदास महाराज जी पवित्र अमृतवाणी में फरमान करते हुए कहते हैं कि मनुष्य को कभी भी जीव हत्या नहीं करनी चाहिए क्योंकि सभी जीवों में प्रभु की अंश आत्मा समाई हुई है । जीव हत्या करने वाले जीवों के पापो की कभी भी निवृत्ति नहीं होती चाहे वह करोड़ों गऊ दान कर दे ।

धन गुरुदेव जी

सिगरेट पीना मत छोड़ो : ओशो

लोग मेरे पास आते हैं- वे सिगरेट पीना छोड़ना चाहते हैं और वे हजारों बार कोशिश कर चुके होते हैं। और फिर कुछ घंटों के बाद, तलब इतनी उठती है, उनका पूरा शरीर, उनका पूरा स्नायु-तंत्र निकोटिन की माँग करने लगता है। फिर वे सारी धार्मिक शिक्षाओं को भूल जाते हैं कि 'सिगरेट पीओगे तो नर्क में गिरोगे।' वे तैयार हो जाते हैं, क्योंकि कौन जानता है कि नर्क है भी अथवा नहीं? पर अभी तो वे इस नर्क में नहीं रह सकते; सिगरेट के अलावा किसी और चीज के बारे में वे सोच भी नहीं सकते।

मैंने लोगों से कहा, 'धूम्रपान बंद मत करो। धूम्रपान करो लेकिन होशपूर्वक, प्रेम से, गरिमा से; जितना इसका आनंद ले सको, लो। जब तुम अपने फेफड़े बर्बाद कर ही रहे हो, क्यों न जितना संभव हो उतनी सुंदरता से, उतनी शान से करो। और फिर ये तुम्हारे फेफड़े हैं, किसी और को इससे क्या लेना-देना है। और मैं तुमसे वायदा करता हूँ कि नर्क तुम्हारे लिए नहीं है क्योंकि तुम किसी और को नुकसान नहीं पहुँचा रहे हो, तुम स्वयं को ही नुकसान पहुँचा रहे हो; और तुमने इसकी कीमत चुकाई है। तुम कोई सिगरेट की चोरी नहीं कर रहे हो, तुम उसकी कीमत चुका रहे हो। तुम्हें भला क्यों नर्क जाना होगा? तुम तो पहले से ही कष्ट उठा रहे हो। किसी को टीबी है और डॉक्टर कह रहा है, 'धूम्रपान बंद कर दो वरना निश्चित रूप से तुम्हें कैंसर हो जाएगा, तुम कैंसर की तैयारी कर रहे हो।' इससे अधिक नर्क और क्या होगा?

लेकिन जब तुमने धूम्रपान करने का निर्णय कर ही लिया है और तुम स्वयं इसे रोक नहीं पा रहे हो तब क्यों न इसे सुंदर ढंग से, होश से, धार्मिकता से ही करो। वे मुझे सुनते जाते हैं और सोचते जाते हैं, 'इस आदमी को तो पागल होना चाहिए। यह कह क्या रहा है- धार्मिकता से!'

और मैं उन्हें बताता हूँ कि सिगरेट के पैकेट को धीरे-धीरे कैसे होशपूर्वक जेब से बाहर निकालो। पैकेट को होश के साथ खोलो, फिर सिगरेट को होश के साथ बाहर निकालो- देखो, उसे चारों तरफ से निहारो। यह इतनी सुंदर चीज है! तुम सिगरेट को इतना प्रेम करते हो, तुम्हें सिगरेट को थोड़ा समय, थोड़ा ध्यान तो देना ही चाहिए। फिर इसे जलाओ; बाहर-भीतर आते-जाते धुएँ को देखो। जब धुआँ तुम्हारे भीतर जाए, सजग रहो। तुम एक महान कार्य कर रहे हो = शुद्ध हवा मुफ्त में उपलब्ध है; इसे दूषित करने के लिए तुम पैसा खर्च कर रहे हो, परिश्रम से कमाया हुआ पैसा। इसका पूरा आनंद लो।

धुएँ की गर्मी, धुएँ का भीतर जाना, खाँसी- सबके प्रति सजग रहो! सुंदर-सुंदर छल्ले बनाओ, ये सब छल्ले सीधे स्वर्ग की ओर जाते हैं। फिर भला तुम कैसे नर्क जा सकते हो; तुम्हारा धुआँ तो स्वर्ग जा रहा है, तो तुम कैसे नर्क जा सकते हो?

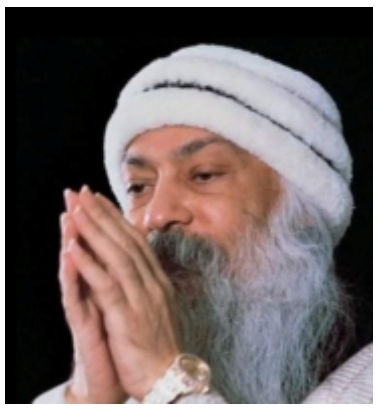

इसका आनंद लो। और मैंने उन्हें मजबूर किया कि 'इसे मेरे सामने करो ताकि मैं देख सकूँ।'

वे कहते जाते, 'यह सब करना इतना अटपटा, इतना मूढ़तापूर्ण लगता है, जो आप कह रहे हैं।'

मैंने उनको कहा, 'यही एकमात्र उपाय है, अगर तुम इसकी तलब से मुक्त होना चाहते हो।'

और वे ऐसा करते, और मुझसे कहते, 'यह हैरानी की बात है, कि पहली बार मैं साक्षी था। मैं धूम्रपान नहीं कर रहा था- शायद मन या शरीर कर रहा था, लेकिन मैं तो मात्र देखने वाला था।'

मैंने उनसे कहा, 'तुम्हें अब कुंजी मिल गई है। अब सजग रहना और जितना चाहो उतना धूम्रपान करना क्योंकि जितना ज्यादा तुम धूम्रपन करोगे, उतने ही ज्यादा सजग तुम होते चले जाओगे। दिन, रात में, आधी रात में, जब तुम्हारी नींद खुले तब धूम्रपान करना। इस अवसर को मत गँवाओ, धूम्रपान करो। डॉक्टर की, पत्नी की चिंता मत करो; किसी की भी चिंता मत करो। बस एक बात का ध्यान रखना कि सजग रहना। इसे एक कला बना लेना।'

और सैकड़ों लोगों ने यह अनुभव किया कि उनकी तलब चली गई। सिगरेट चली गई, सिगार पीने की आदत छूट गई। धूम्रपान की इच्छा तक पीछे मुड़कर देखने पर, उन्हें भरोसा भी नहीं आता कि वे इतने बंधन में थे। और इस कारागृह से बाहर आने की एक मात्र कुंजी थी- सजगता, जागरूकता।

जागरूकता तुम्हारे पास है, बस कुल बात इतनी है कि तुमने कभी इसका उपयोग नहीं किया है। इसलिए आज से ही इसका उपयोग करो ताकि यह तीक्ष्ण से तीक्ष्ण होती चली जाए। इसका उपयोग न करने से इस पर धूल जमा हुई है।

किसी भी कृत्य में-उठने में, बैठने में, चलने में, खाने में, पीने में, सोने में- जो कुछ भी तुम करो, इस बात का स्मरण रखकर करो कि साथ-साथ जागरूकता की, होश की अंतर्धारा भी तुम्हारे साजथ-साथ चलती रहे। और तुम्हारे जीवन में एक धार्मिक सुगंध आनी प्रारंभ हो जाएगी। और सभी प्रकार की जागरूकता, अमूर्च्छा ठीक है और सभी प्रकार की मूर्च्छा गलत है।

ओशो

सबसे बड़ा दुश्मन

जितना नुकसान बाहरी दुश्मन करता है, उससे काफी बड़ा नुकसान गलत दिशा पर लगा हुआ हमारा चित्त (मन) करता है।

धम्मपदं - 42.

दिसो दिसं यंतं कयिरा, वेरी वा पन वेरिनं।
मिच्छापणिहितं चित्तं, पापियो नं ततो करे।।

जितना बुरा, हानि, अहित द्वेषी द्वेषी का, शत्रु शत्रु का और वैरी वैरी का करता है उससे कहीं अधिक हानि, अहित गलत दिशा, झूठे मार्ग पर लगा हुआ चित्त करता है।

संसार में लोग अपने बाहरी दुश्मन से बहुत घबराते हैं, सचेत रहते हैं कि वह कोई छोटी बड़ा नुकसान न कर दे। लेकिन सबसे खतरनाक दुश्मन तो मैल से सना हुआ मनुष्य का मन है, जो भौतिक, शारीरिक, मानसिक हर तरह का भारी अहित, बुरा करता है। उल्टा लोग स्वयं के ऐसे चित्त से भी बहुत प्रेम करते है जो उन्हें गलत मार्ग पर पटकता है अहित कराता है दुख में डालता है।

बाहरी शत्रु तो सिर्फ भौतिक नुकसान ही कर सकता है और उसकी पूर्ति भी हो सकती है लेकिन बड़ी हानि तो मन की शांति की है व्यक्ति के सच्चे सुख खो जाता है।

मिथ्या, गलत मार्ग क्या है? गलत दिशा क्या है? जब व्यक्ति स्वयं को न देखकर बाहर भटकता है, अंतर्मुखी की बजाय बहिर्मुखी हो जाता है। सुख की चाबी स्वयं के पास है, सुख का स्त्रोत स्वयं का चित्त है। बस प्रयास कर इसे देखने, जानने की जरूरत है और इस चित्त को सही दिशा में रखकर सदुपयोग करने की जरूरत है।

लेकिन व्यक्ति का चित्त बाहर की चकाचौंध की ओर आकर्षित होता है, उसे यह पता है कि अंततः इनसे दुख अशांति ही मिलेगी लेकिन उसे बाहरी दुनिया बहुत लुभाती है। कभी रूप-रंग लुभाता है तो कभी सुखद स्पर्श के पीछे पागल हो जाता है, कभी स्वाद तो कभी मदहोश करने वाली सुगंध, तो कभी शब्द।

यदि चित्त पर संयम न हो और गलत दिशा में भागता है तो वह रूप, पद, प्रतिष्ठा, प्रशंसा, धन आदि कुछ भी दिख जाए तो उसकी ओर आकर्षित होता है, उसे पाने के लिए लालायित रहता है फिर पाने के लिए मन,वाणी और शरीर से अकुशल बुरे कर्म करता है। जब इनके परिणाम में दुख, अशांति मिलते हैं तो फिर पछताने के सिवाय कुछ नहीं होता है।

अत:बहरी शत्रु हमारी उतनी हानि नहीं कर सकता, जितनी गलत दिशा में लगा हुआ हमारा चित्त, मन कर सकता है। सजग चित्त वाला साधक हमेशा स्वयं को देखता है, चित्त को सही मार्ग पर टिकाता है उसे शुद्ध करने में लगा रहता है क्योंकि उसको मालूम है कि बारी शत्रु से ज्यादा अहित गलत दिशा में भटकने वाला चित्त कर सकता है।

सबका मंगल हो ....सभी प्राणी सुखी हो
प्रस्तुति:डॉ. एम एल परिहार, जयपुर

मौन का महत्व

एक दिन एक जिज्ञासु व्यक्ति आया। उसका नाम मौलुंकपुत्र था, एक बड़ा ब्राह्मण विद्वान, पाँच सौ शिष्यों के साथ बुद्ध के पास आया था। निश्चित ही उसके पास बहुत सारे प्रश्न थे। एक बड़े विद्वान के पास ढेर सारे प्रश्न होते ही हैं, समस्याएँ ही समस्याएँ। बुद्ध ने उसके चेहरे की तरफ देखा और कहा, 'मौलुंकपुत्र, एक शर्त है । यदि तुम शर्त पूरी करो, केवल तभी मैं उत्तर दे सकता हूँ। मैं तुम्हारे सिर में भनभनाते प्रश्नों को देख सकता हूँ। एक वर्ष तक प्रतीक्षा करो। ध्यान करो, मौन रहो। जब तुम्हारे भीतर का शोरगुल समाप्त हो जाए, जब तुम्हारी भी की बातचीत रुक जाए, तब तुम कुछ भी पूछना और मैं उत्तर दूँगा। यह मैं वचन देता हूँ।''

मौलुंकपुत्र कुछ चिंतित हुआ-एक वर्ष, केवल मौन रहना, और तब यह व्यक्ति उत्तर देगा। और कौन जाने कि वे उत्तर सही भी हैं या नहीं ? तो हो सकता है एक वर्ष बिलकुल ही बेकार जाए। इसके उत्तर बिलकुल व्यर्थ भी हो सकते हैं। क्या करना चाहिए ? वह दुविधा में पड़ गया। वह थोड़ा झिझक भी रहा था। ऐसी शर्त मानने में; इसमें खतरा था। और तभी बुद्ध का एक दूसरा शिष्य, सारिपुत्र, जोर से हँसने लगा। वह वहीं पास में ही बैठा था--एकदम खिलखिलाकर हँसने लगा। मौलुंकपुत्र और भी परेशान हो गया; उसने कहा, 'बात क्या है? तुम क्यों हँस रहे हो ?''

सारिपुत्र ने कहा, ''इनकी मत सुनना। ये बहुत धोखेबाज हैं । इन्होंने मुझे भी धोखा दिया । जब मैं आया था। तुम्हारे तो केवल पाँच सौ शिष्य हैं । पेरे पाँच हजार थे । मैं बड़ा ब्राह्मण था, देश भी में मेरी ख्याति थी। इन्होंने मुझे फुसला लिया; इन्होंने कहा, साल भर प्रतीक्षा करो। मौन रहो। ध्यान करो। और फिर पूछना और मैं उत्तर दूँगा। और साल भर बाद कोई प्रश्न ही नहीं बचा। तो मैंने कभी कुछ पूछा ही नहीं और इन्होंने कोई उत्तर दिया ही नहीं । यदि तुम पूछना चाहते हो तो अभी पूछ लो, मैं इसी चक्कर में पड़ गया। मुझे इसी तरह इन्होंने धोखा दिया।''

बुद्ध ने कहा, 'मैं अपने बचन पर पक्का रहूँगा। यदि तुम पूछते हो, तो मैं उत्तर दूँगा। यदि तुम पूछो ही नहीं, तो मैं क्या कर सकता हूँ ?'

एक वर्ष बीता, मौलुंकपुत्र ध्यान में उतर गया। और--और मौन होता गया--भीतर की बातचीत समाप्त हो गई। भीतर का कोलाहल रुक गया। वह बिलकुल भूल गया कि कब एक वर्ष बीत गया। कौन फिक्र करता है ? जब प्रश्न ही न रहें, तो कौन उत्तरों की फिक्र करता है ? एक दिन अचानक बुद्ध ने पूछा, 'यह

वर्ष का अंतिम दिन है।

इसी दिन तुम एक वर्ष पहले यहाँ आए थे। और मैंने तुम्हें वचन दिया था कि एक बर्ष बाद तुम जो पूछोगे, मैं उत्तर दूँगा, मैं उत्तर देने को तैयार हूँ। अब तुम प्रश्न पूछो ।

मौलुंकपुत्र हँसने लगा, और उसने कहा, 'आपने मुझे भी धोखा दिया। वह सारिपुत्र ठीक कहता था। अब कोई प्रश्न ही पूछने के लिए नहीं रहा। तो मैं क्या पूछूँ ? मेरे पास पूछने के लिए कुछ भी नहीं है।

असल में यदि तुम सत्य नहीं हो तो समस्याएँ होती हैं । और प्रश्न होते हैं। वे तुम्हारे झूठ से पैदा होते हैं -तुम्हारे स्वप्न, तुम्हारी नींद से वे पैदा होते हैं। जब तुम सत्य, प्रामाणिक मौन समग्र होता हो--वे तिरोहित हो जाते हैं ।

मेरी समझ ऐसी है कि मन की एक अवस्था है, जहाँ केवल प्रश्न होते हैं; और मन की एक अवस्था है, जहाँ केवल उत्तर होते हैं। और वे कभी साथ- साथ नहीं होते । यदि तुम अभी भी पूछ रहे हो, तो तुम उत्तर नहीं ग्रहण कर सकते। मैं उत्तर दे सकता हूँ लेकिन तुम उसे ले नहीं सकते । यदि तुम्हारे भीतर प्रश्न उठने बंद हो गए हैं, तो मुझे उत्तर देने की कोई जरूरत नहीं है : तुम्हें उत्तर मिल जाता है। किसी प्रश्न का उत्तर नहीं दिया जा सकता है । मन की एक ऐसी अवस्था उपलब्ध करनी होती है जहाँ कोई प्रश्न नहीं उठते। मन की प्रश्नरहित अवस्था ही एकमात्र उत्तर है।

यही तो ध्यान की पूरी प्रक्रिया है : प्रश्नों को गिरा देना, भीतर चलती बातचीत को गिरा देना। जब भीतर की बातचीत रुक जाती है, तो ऐसा असीम मौन छा जाता है। उस मौन में हर चीज का उत्तर मिल जाता है । हर चीज सुलझ जाती है-शाब्दिक रूप से नहीं, अस्तित्वगत रूप में सुलझ जाती है। कहीं कोई समस्या नहीं रह जाती है।

पीजीटी, टीजीटी, पीआरटी की परीक्षा 3 व 4 दिसंबर को

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर । हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा लेवल 3 पीजीटी-लैक्चरार,लेवल-2 टीजीटी, लेवल-1 पीआरटी की परीक्षाएं 3 व 4 दिसम्बर 2022 को सुबह व सायं के सत्र में आयोजित की जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा इन परीक्षाओं को सुचारू ढग़ व नकल रहित करने के उदेश्य से विशेष प्रबंध किए है व परीक्षा केन्द्रो के नजदीक आवश्यकता अनुसार पुलिस सहायता उपलब्ध करवाने तथा बाहरी हस्ताक्षेप को रोकने के लिए धारा 144 के आदेश जारी किए गए है।

यह जानकारी देते हुए जिलाधीश राहुल हुड्डा ने बताया कि भिवानी बोर्ड की उक्त परीक्षाओं को शांति पूर्ण व नकल रहित आयोजित करने के लिए दण्ड प्रक्रिया नियमावली, 1973 की धारा 144 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आदेश दिए है कि जिला में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने व शांति बनाए रखने हेतु जनता का कोई भी प्रतिनिधि जिला यमुनानगर में आयोजित विभिन्न परीक्षा केन्द्रों के नजदीक न तो कोई जनसभा करेगा और न ही किसी स्थल पर चार या उससे अधिक व्यक्ति इकठ्ठे होंगे।

जिलाधीश राहुल हुड्डा ने आगे बताया कि जारी आदेशो के अनुसार सभी परीक्षा केन्द्रों की 100 मीटर की परिधि में 3 व 4 दिसम्बर तक परीक्षाओं के दौरान परीक्षा केन्द्रो के नजदीक फोटोस्टेट व्यवसाय पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसके अलावा कोई भी व्यक्ति परीक्षा केन्द्रों के निकट हथियार जैसे-अग्नि अस्त्र, तलवार (सिख समुदाय के प्रतीक कृपाण को छोड़कर), बरछा, भाला, लाठी, चाकू व अन्य किस्म के हथियार आदि लेकर नहीं चल सकता। यह आदेश पुलिस व अन्य सरकारी कर्मचारी जो डयूटी पर तैनात होगें, पर लागू नहीं होगे। इन आदेशो की उल्लंघनकर्ता भारतीय दंड सहिता की धारा-188 के तहत दंड के पात्र होगे।

प्यास उसी की बुझती है जो पानी स्वयं पीता है : स्वामी ज्ञाननाथ

गजब हरियाणा न्यूज/राहुल

अम्बाला । निराकारी जागृति मिशन नारायणगढ़ के गद्दीनशीन राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संत सुरक्षा मिशन भारत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर एडवोकेट स्वामी ज्ञान नाथ ने रूहानी प्रवचनों में कहा कि पदार्थ जगत में किसी के द्वारा की गई खोज दूसरों के काम आती है लेकिन अध्यात्म में की गई खोज उसी के काम आती है जो करता है। यह भलिभांति समझ लो कि प्रत्येक को स्वयं ही आत्म अनुसंधान करना पड़ेगा। प्यास उसी की बुझती है जो पानी स्वयं पीता है किसी को पानी पीते हुए देखने से प्यास नही बुझती। किसी के द्वारा किया गया मन, वचन और कर्म से कोई भी अच्छे-बुरे कर्म का प्रभाव पहले उसी के उपर पड़ता है जो उस कर्म को करता है, फिर बाहर समाज के उपर पड़ता है। इसलिए मैं कौन हूं सही मायने में जानने के लिए यह जानना बहुत जरूरी है कि मैं कौन नही हूं। जिस नाम से आपको पुकारा जाता है अगर ज्ञान और तीर्व विवेक की दृष्टि से देखा जाए तो आप पाओगे कि जो आपको पुकारा जाता है वास्तव में वह आप नही हैं बल्कि वह तो आपके पंचभौतिक परिवर्तनशील और अंततः नश्वर होने वाले स्थूल शरीर का नाम है। क्योंकि नाम एक साधारण शब्द है जो सिर्फ पहचानने और पुकारने के लिए है। सबसे पहले आत्मवेता सतगुरू के समक्ष पूर्ण समर्पण तथा मन, वचन और कर्म से शरणागत भाव से और सतगुरूदेव की दया-मेहर और रहमोकर्म से यही जानना होगा कि हम सिर्फ नाम नही हैं, अमीर-गरीब नहीं हैं, छोटे-बड़े नही हैं, हमारी कोई विशेष जाति, धर्म, वर्ण, मजहब, संप्रदाय, संगठन, नाम, प्रतीक, चिंह, रंग, रूप, आकार-प्रकार की बनी मूर्ति नही हैं। इन उपरलिखित सभी बातों और मानयताओं का अध्यात्म तथा मोक्ष-मुक्ति और आत्मा के साथ कोई भी सबंध नही है। यह भलि भांति समझ लेना चाहिए कि यह सब मनुष्य द्वारा मन और अल्प बुद्वि के आधार पर बनाई गई सब कोरी कपोल कल्पनाएं और मूढ़ मान्यताएं है। इस लिए जो आप चर्म नेत्रों से देख रहे हो, कानों से सुन रहे हो, मुख से बोल रहे हो, मन से मनन कर रहे हो, बुद्वि से विचार कर रहे हो, चित से चिंतन कर रहे हो, अक्षर ज्ञान को पढ़ रहे हो, दूसरों को पढ़ा रहे हो, आप अपने आप को समझ रहे हो और दूसरों को समझा रहे हो आप यह नही हो । क्योंकि यह तो सब बाहर हो रहा है और बाहर समझा जा रहा है बल्कि इन सबसे पार एवं परे अर्थात अक्षर से परे निऱ्अक्षर, साकार से परे निराकार, प्रकृति से परे पुरूष, तत्वों से परे अजर-अमर और अविनाशी परिपूर्ण और स्वतंत्र पावन-पवित्र आत्मा हैं। यह सब सामाजिक व्यवस्थाऐं और मान्यताऐं हैं। इन सब का सबंध पंचभौतिक स्थूल शरीर और सूक्ष्म शरीर से है आत्मा से नही। ध्यान करते हुए इन सब को अंदर-बाहर से छोड़ते जाओ और पूरी तरह भूलते जाओ और जब तक नित्यप्रति साधना-अराधना करते रहो, सुरत-शब्द योग का अभ्यास करते रहो, आज्ञाच1कर में ध्यान करते हुए दिव्य शब्दधुन को सुनने कर अभ्यास करते हुए अपने आप में ठहरते जाओ, अपने आप में डूबते जाओ, स्थितप्रज्ञ हो जाओ। बस अंत में जो बाकि रह जाएगा यही आपका विशुद्धतम-बुद्धत्म, अजर-अमर अविनाशी निज स्वरूप आत्मा हैं।

चमार रेजीमेंट के अंतिम सैनिक चुन्नी लाल का निधन

नेताजी का साथ देने पर ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ लडे थे चुन्नीलाल

रविदास चमार समाज के गौरव चुन्नीलाल के देहांत पर सूरजभान कटारिया ने दुख जताया

गजब हरियाणा न्यूज

कुरुक्षेत्र । भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की डॉ. आंबेडकर फाउंडेशन के सदस्य सूरजभान कटारिया ने आजादी से पूर्व ब्रिटिश सत्ता के खिलाफ विद्रोह करने वाले चमार रेजीमेंट के आखिरी बचे सैनिक महेंद्रगढ़ जिले के गांव भोजावास निवासी 100 वर्षीय हवलदार चुन्नी लाल के देहांत पर शोक व्यक्त किया है। कटारिया ने कहा कि दूसरे विश्व युद्ध में कोहिमा से रंगून तक कई मोर्चो पर जापान के विरुद्ध लड़ने वाले इस योद्धा ने गत रात्रि 2 बजे अंतिम सांस ली। सूरजभान कटारिया ने चुनीलाल के इतिहास पर कहां है कि नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की सेना के खिलाफ ब्रिटिश हुकूमत द्वारा युद्ध के आदेश मिलने, का पालन न करने पर इन्होंने ब्रिटिश हुकूमत की 5 साल की जेल भी काटी थी। चमार रेजीमेंट के एकमात्र जिंदा बचे हवलदार चुन्नीलाल की देहांत पर सूरजभान कटारिया ने कहा कि रविदासी समाज के लिए समाचार दुखद है। उल्लेखनीय है कि सूरजभान कटारिया जोकि श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ के राष्ट्रीय प्रधान संगठन महामंत्री भी हैं गत 2 वर्ष पूर्व में उनके गांव भोजावास में हरियाणा के तत्कालीन राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य को लेकर उनके सम्मान के लिए गए थे। उस समय में उनके साथ बाबा साहब डॉ. अंबेडकर जी के सहयोगी एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री संघ प्रिय गौतम, हरियाणा के पूर्व शिक्षा मंत्री रामविलास शर्मा, हरियाणा की पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष श्रीमती संतोष दहिया, हरियाणा के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एवं तत्कालीन राज्यपाल सचिव विजय दहिया आदि भी चुन्नीलाल के 100 साल से ऊपर का जीवन पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए थे। हरियाणा के पूर्व राज्यपाल एवं मौजूदा त्रिपुरा के राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग भारत सरकार के अध्यक्ष विजय सापला, भाजपा संसदीय बोर्ड के सदस्य एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ सत्यनारायण जटिया, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं हरियाणा के पूर्व राज्यसभा सांसद दुष्यंत गौतम, हरियाणा के सहकारिता एवं अनुसूचित जाति जनजाति पिछड़े वर्ग के कल्याण मंत्री डॉ. बनवारी लाल, हरियाणा के राज्यसभा सांसद एवं पूर्व मंत्री कृष्ण पवार आदि ने चुनीलाल के निधन पर शोक व्यक्त किया।

ब्लड डोनेशन से शरीर स्वस्थ रहता व बीमारियां दूर होती है : दलबीर मलिक

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के अवसर पर सर्व समाज कल्याण सेवा समिति द्वारा ब्रह्मसरोवर के तट पर 576 नंबर स्टॉल पर रक्तदान शिविर शनिवार को भी जारी रहा। शिविर के दौरान पार्थ ब्लड सेंटर की टीम ने पर्यटकों के बीपी व वजन का भी निशुल्क चेकअप किया। समिति के जिला चेयरमैन दलबीर मलिक ने बताया कि लोगों द्वारा रक्त दान करने से दिल की सेहत में सुधार, दिल की बीमारियों और स्ट्रोक के खतरे को कम माना जाता है। खून में आयरन की ज्यादा मात्रा दिल के दौरे के खतरे को बढ़ा सकती है। नियमित रूप से रक्तदान करने से आयरन की अतिरिक्त मात्रा नियंत्रित हो जाती है। जो दिल की सेहत के लिए अच्छी है। उन्होंने बताया कि कई बार मरीजों के शरीर में खून की मात्रा इतनी कम हो जाती है कि उन्हें किसी और व्यक्ति से ब्लड लेने की आवश्यकता पड़ जाती है। ऐसी ही इमरजेंसी स्थिति में खून की आपूर्ति के लिए लोगों को रक्तदान करने के लिए आगे आना चाहिए। इससे जरुरत मंद की मदद हो सकेगी। इस अवसर पर समिति के प्रदेश अध्यक्ष रामेश्वर सैनी, संरक्षक नरेश सैनी, कोषाध्यक्ष ऋषिपाल गोलन, जिलाध्यक्ष पुनीत सेतिया, किसान नेता भजन सिंह मनक माजरा, रमेश खैरा मौजूद रहे। शिविर में पार्थ ब्लड सेंटर से डॉक्टर श्वेता के नेतृत्व में डॉ से संजीव वर्मा, लैब टेक्नीशियन चेतन, स्टाफ नर्स सिल्की ने रक्त संग्रहित किया। शिविर में शिवम, अजय कुमार, अमित कुमार, चेतन, शुभम, भजन सिंह, रविंद्र कुमार, रमेश, मुकेश, कपिल, साजन, गुरमीत सिंह व सुखविंद्र सिंह ने रक्तदान किया।

मौली जागरान में मनाया संविधान दिवस

गजब हरियाणा न्यूज

चंडीगढ़ । गांव मौली जागरान में 26 नवम्बर को सविधान दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया गया। बाबा साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित किए गए। उपरांत सविधान में दिए मौलिक अधिकार व बाबा साहब डॉ. भीम राव अंबेडकर के जीवन संघर्ष पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर प्रदीप कुमार, मंजू गौतम, जोगिंद्र सिंह सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

सविंधान दिवस पर राजभवन में राज्यपाल बनवारी लाल परोहित को सविंधान की प्रति भेंट की

गजब हरियाणा न्यूज

चंडीगढ़ । पंजाब के महामहिम राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक बनवारी लाल पुरोहित को संविधान दिवस के उपलक्ष पर सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार के सदस्य (डीएएफ) एवं गुरु रविदास विश्व महापीठ के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) सूरजभान कटारिया के नेतृत्व में अंबेडकर अनुयायियों ने मुलाकात कर संविधान की प्रति भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल बनवारी लाल परोहित ने कहा कि संविधान हमारे लोकतंत्र की आत्मा है, विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र को एकता के सूत्र में बांधने वाला देश का संविधान संघात्मक और एकात्मक है, संविधान दिवस के शुभावसर पर देश को एक प्रगतिशील संविधान देने वाले भारत रत्न, बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी को बारम्बार नमन करते हैं।

वहीं श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ के राष्ट्रीय प्रवक्ता कुलदीप मेहरा ने जानकारी दी सूरजभान कटारिया ने राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित को बताया कि सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार की तरफ से 26 नवंबर संविधान दिवस को देश के सभी राज्यों में हर्ष उल्लास से मनाया जा रहा है।

इस सविंधान दिवस के शुभावसर पर महामहिम राज्यपाल बनवारी लाल परोहित को सविंधान की प्रति भेंट करते सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय के माननीय सदस्य (डीएएफ) एवं श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) सूरजभान कटारिया, विश्व महापीठ के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं चंडीगढ़ प्रदेश के प्रभारी कुलदीप मेहरा, पंजाब महापीठ के प्रदेशाध्यक्ष एवं (डीएएफ) के सदस्य मंजीत सिंह बाली, दलित हेल्पलाइन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रोहित सोनकर एवं महामंत्री मनजिंदर सिंह, कार्डियोलोजिस्ट डॉ. श्रीनिवास रेड्डी, लंदन से आजाद टीवी के चेयरमैन रमेश कलेर, स.अजीत सिंह, मंदीप सिंह, जसबीर सिंह सहित राजीव दत्त उपस्थित रहें।

अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव कुरुक्षेत्र की कुछ झलकियां

कुरुक्षेत्र में 17 वार्डों में से सिर्फ 3 पर बने भाजपा के जिला पार्षद

वॉर्ड न.10 से निर्दलीय कुसुम लता जीती चुनाव

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । कुरुक्षेत्र जिला परिषद के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को करारी हार का मुंह देखना पड़ा है। जिला परिषद की 17 सीटों में से भाजपा केवल 3 सीटों पर ही विजय प्राप्त कर पाई है। भाजपा ने 15 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। एक और 2 वार्ड में भाजपा ने अपने उम्मीदवार नहीं उतारे थे।

भाजपा की उम्मीदवार वार्ड नंबर 6 से रविन्द्र कौर विजयी हुई हैं। भाजपा के ही वार्ड नंबर 11 से धर्मपाल चौधरी विजयी हुए और वार्ड नंबर 14 से भाजपा के तीसरे उम्मीदवार सचिन कुमार को जीत हासिल हुई। आप पार्टी के एक उम्मीदवार वार्ड नंबर 17 से अमरीक सिंह को विजय मिली है। निर्दलीय जीते उम्मीदवारों पर कांग्रेस अपना दावा जता रही है।

वार्ड नंबर 1 से निर्दलीय कवंरपाल, 2 से निर्दलीय रमेश कुमार, 3 से निर्दलीय पिंकी, 4 से निर्दलीय सुखविंद्र कौर, 5 से निर्दलीय सुखविन्द्र सिंह, 7 से निर्दलीय जसबीर पंजेटा, 8 से निर्दलीय डिंपल, 9 से निर्दलीय राजिन्द्र सिंह, 10 से निर्दलीय कुसुम लता, 12 से निर्दलीय सुरेश कुमार, 13 से निर्दलीय रेखा देवी, 15 से निर्दलीय कमलजीत कौर तथा 16 से निर्दलीय पूनम देवी विजयी हुए हैं।

विधायक रामकरण काला का बेटा जीता ,पुत्रवधु हारी

जिला परिषद के वार्ड एक से विधायक रामकरण काला के बेटे ने 747 मतों से जीत दर्ज की, जबकि वार्ड नंबर 3 से विधायक की पुत्रवधु को हार मिली। जिला परिषद के वार्ड नं. एक से कंवरपाल को 6262 वोट मिले और उनके प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार राजकुमार हिंगाखेड़ी को 5515 वोट प्राप्त हुए। इस तरह से कंवरपाल ने यह चुनाव 747 मतों के अंतर से जीत लिया। विधायक रामकरण काला की पुत्रवधु पूजा देवी 3911 वोट लेकर तीसरे स्थान पर रही।

लूटपाट और डकैती की वारदातों को अंजाम देने वाले गिरोह को पुलिस ने किया गिरफ्तार

2 मई 2022 रात को 5-6 नकाबपोश बदमाशों ने पिस्टल, तलवारों, लोहे की राड, चाकुओं से लैस होकर निराकारी जागृति मिशन के आश्रम और आद शक्ति ज्वाला आश्रम मे दिया था डकैती की वारदात को अंजाम

विभिन्न संगठनों ने लगाई थी मिशन के संचालक श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञान नाथ के लिए सुरक्षात्मक कदम उठाने व सुरक्षा मुहैया कराने की गुहार

गजब हरियाणा न्यूज/राहुल

कुरुक्षेत्र । जगह-जगह खासकर धार्मिक स्थलों, डेरों तथा आश्रमों मे रात के समय लूटपाट और डकैती की अनहोनी अपराधिक वारदातों को अंजाम देने वाले गिरोह को अंबाला पुलिस और दूसरे प्रांतों की पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर गिरफ्तार करके सलाखों के पीछे भेजा है। निराकारी जागृति मिशन की समस्त कार्यकारिणी अंबाला पुलिस अधीक्षक तथा सी.आई.ए. स्टाफ और उपायुक्त महोदय का आभार प्रकट करती है। अंबाला पुलिस का यह अथक प्रयास सराहनीय और काबिले तारीफ है। समस्त कार्यकारिणी अंबाला के पुलिस अधीक्षक और उपायुक्त महोदय से गुहार लगाती है की अंबाला-नारायणगढ रोड, गांव खतौली गेट नजदीक गौशाला स्थित निराकारी जागृति मिशन के आश्रम और व्यक्तिगत तौर से मिशन के संचालक श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञान नाथ के लिए सुरक्षात्मक कदम उठाए जाएं और सुरक्षा मुहैया करवाई जाए क्योंकि जब 2 मई 2022 रात को लगभग 1.35 मिनट पर 5-6 नकाबपोश बदमाशों ने पिस्टल, तलवारों, लोहे की राड, चाकुओं से लैस होकर निराकारी जागृति मिशन के आश्रम और आद शक्ति ज्वाला आश्रम मे डकैती की वारदात को अंजाम दिया और जाते समय वह बदमाश श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर एडवोकेट स्वामी ज्ञान नाथ और उसके शिष्यों को जान से मारने की धमकी देकर हाथों मे हथियार लहराते हुए और यह कहते हुए कि हम फिर दोबारा आंएगे अब हमारे पास ज्यादा समय नही है ओर फरार हो गए। जाते हुए वह आश्रम से सामान, सोने चांदी के आभूषण और नकदी लूट कर ले गए। महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञान नाथ ने कहा की मैं मिशन का चेयरमैन और एक समाज सेवी होने के नाते अंबाला पुलिस शासन-प्रशासन के संज्ञान मे लाना चाहता हूं कि मैं महामंडलेश्वर एडवोकेट स्वामी ज्ञान नाथ एक प्रतिष्ठित संत हूं तथा महाकाल भैरव अखाडा महाराष्ट्र और सूर्यवंशी अखाड़ा पुर्तगाल के श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर के पद पर आसीन हूं और साथ-साथ निराकारी जागृति मिशन का राष्ट्रीय अध्यक्ष और संत सुरक्षा मिशन भारत का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हूं। समय समय पर मुझे यू.पी, बिहार, झारखंड हरियाणा आदि प्रांतो मे भारतीय संस्कृति के प्रचार प्रसार के लिए जाना होता है क्योंकि मैं मिशन का चक्रवर्ती स्टार धर्म प्रचारक हूं। फिर दोबारा यहां कोई अनहोनी ना हो मैं अंबाला पुलिस को अवगत करवाना चाहता हूं कि निराकारी जागृति मिशन का आश्रम बिल्कुल सुनसान जगह पर है रात को यहां सन्नाटा छा जाता है। इसलिए रात को पुलिस की गश्त होनी चाहिए और जरुरी सुरक्षा के लिए कदम उठाने चाहिए।

बता दें वारदात के बाद प्रदेश व जिला भर के सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों ने अपने लेटरहेड पर श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञाननाथ एडवोकेट को सुरक्षा मुहैया कराने की गुहार लगाई गई थी। जिस पर प्रशासन को गंभीरता से लेते हुए तुरंत सुरक्षा प्रदान करनी चाहिए।

सन्निहित सरोवर को भी विकसित करने के लिए तैयार की जाएगी योजना : मनोहर

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि सन्निहित सरोवर को भी विकसित करने के लिए योजना तैयार की जाएगी। इस तीर्थ का भी पूरी तरह सौंदर्यीकरण किया जाएगा। इस धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र के तीर्थों को विकसित करने के लिए सरकार योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। इस गीता स्थली को विश्व के मानचित्र पर लाने के लिए ज्योतिसर में लगभग 206 करोड़ रुपए के बजट से महाभारत थीम प्रोजेक्ट पर काम किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल मंगलवार को सन्निहित सरोवर का औचक निरीक्षण करने के लिए पहुंचे। यहां पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल, खेल एवं युवा मामले मंत्री संदीप सिंह, सांसद नायब सिंह सैनी, विधायक सुभाष सुधा, महंत बंसीपुरी जी महाराज का श्रीब्रह्मण एवं तीर्थोद्धार सभा के मुख्य सलाहकार जय नारायण शर्मा, श्याम सुंदर तिवारी तथा प्रधान सचिव रामपाल शर्मा के नेतृत्व में मुख्यमंत्री का वेद मंत्रों के साथ तीर्थ पुरोहितों ने तिलक लगाकर अभिनंदन किया। इसके उपरांत मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने तीर्थ स्थल का अवलोकन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने तीर्थ को बारीकी से निरीक्षण किया। यहां पर सभा के मुख्य सलाहकार जय नारायण शर्मा ने सन्निहित सरोवर के सौंदर्यीकरण को लेकर कुछ मांगे भी रखी। इतना ही नहीं विधायक सुभाष सुधा ने सन्निहित सरोवर पर ब्रह्मसरोवर की तर्ज पर गीता महोत्सव पर कार्यक्रमों का आयोजन करने के बारे में भी एक प्रस्ताव रखा।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने आश्वासन दिया कि सन्निहित सरोवर का सौंदर्यीकरण करने की योजना बनाई जाएगी। इस योजना में केडीबी और श्री ब्राह्मण तीर्थोद्धार सभा का पूरा सहयोग लिया जाएगा। सभी के साझे विचारों के बाद ही एक प्रस्ताव तैयार होगा। इस प्रस्ताव के अनुसार सन्निहित सरोवर का विकास किया जाएगा। इसके अलावा अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के दौरान ब्रह्मसरोवर के अलावा सन्निहित सरोवर पर भी कार्यक्रमों के साथ जोड़ने की योजना पर विचार किया जाएगा। सभा के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को सम्मान स्वरूप प्रसाद भेंट किया। इस मौके पर डीजीपी पीके अग्रवाल, उपायुक्त शांतनु शर्मा सहित अन्य अधिकारी व गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

राष्ट्रीय लोक अदालत में किया 10780 मामलों का निपटारा

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम दुष्यंत चौधरी ने कहा कि डीएलएसए की तरफ से न्यायालय परिसर कुरुक्षेत्र, शाहाबाद और पिहोवा में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न विषयों के कुल 17998 मामले आए थे, जिनमें से 10780 मामलों का मौके पर ही निपटारा किया गया। इनमें प्री-लिटिगेशन के बैंक रिकवरी के 2120 मामले उठाए गए, जिनमें से 137 मामलों का निपटारा किया गया है और इन मामलों में 1 करोड़ 68 लाख 52 हजार 436 रुपए की सेटलमेंट पास की गई है।

सीजेएम दुष्यंत चौधरी ने कहा कि न्यायालय में लंबित पोस्ट-लिटिगेशन के मामलों में बैंक रिकवरी के 176 मामलों में से 29 मामलों का निपटारा करके 40 लाख 68 हजार, 93 रुपए की सेटलमेंट की गई। इसी प्रकार क्रिमिनल कंपाउंडेबल ऑफ सेंस के 420 मामलों में 165 मामलों में 81 हजार 200 रुपए, बिजली बिल के 382 मामलों में से 367 मामलों, भूमि अधिग्रहण के 3 मामले, एमएसीटी केस के 204 मामलों में 69 मामलों का निपटारा करते हुए 6 करोड़ 1 लाख 5 हजार की सेटलमेंट, विवाह सम्बन्धी मामलों में 378 में से 156 मामलों, एनआई एक्ट अंडर-138 के 2003 में से 408 मामलों में 64 लाख 1 हजार 685 रुपए, अन्य सिविल केस के 672 में से 194 मामलों, अन्य केसों में 5740 मामलों में से 3352 मामलों का निपटारा करते हुए 18 लाख 22 हजार 500 व रेवेन्यू के 5900 मामलों में से 5900 मामलों का निपटारा किया गया है।

उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 17998 मामलों में से 10780 मामलों का निपटारा करते हुए कुल 8 करोड़ 93 लाख 30 हजार 914 रुपए की सेटलमेंट की गई है। इन मामलों में अपराधिक, सिविल, बैंक रिकवरी, वाहन दुर्घटनाएं, बिजली पानी से संबंधित, श्रम विवादों, वैवाहिक झगड़ो के मामलों का निपटारा किया गया है। इन कैसो का अधिक से अधिक निपटारा करने के लिए फैमिली कोर्ट के न्यायाधीश महावीर सिंह, न्यायाधीश रजनीश कुमार, न्यायाधीश अमित कुमार गर्ग, न्यायाधीश जतिन गर्ग, न्यायाधीश शेर सिंह, न्यायाधीश हरीश सभ्रवाल, न्यायाधीश रजत वर्मा, न्यायाधीश अमित श्योराण व स्थाई लोक अदालत के अध्यक्ष प्रवीण गुप्ता की पीठों का गठन किया गया था।

जनेसरों में श्रद्धापूर्वक मनाया तीसरा संत समागम

हरियाणा सहित उत्तर प्रदेश, पंजाब व हिमाचल से पहुंचे संतजन, संतों ने श्रद्धालुओं को श्री गुरु रविदास जी महाराज के संदेशों से रुबरु कराया

गजब हरियाणा न्यूज/नरेन्द्र

करनाल। गांव जनेसरो में रविदासिय धर्म को समर्पित संत गुरु रविदास जी महाराज का महान संत समागम हुआ जिसकी अगुवाई व आयोजन पूर्व सरपंच सुनील कुमार ने किया। धार्मिक आयोजन में मुख्य अतिथि के तौर पर रंगपुर दरबार बुलन्दशहर (उत्तरप्रदेश) से संत वीर सिंह हितकारी ने शिरकत कर गुरु के जीवन पर प्रकाश डाला। समागम में अध्यक्षता करते हुए संत जैनदास हितकारी ने सभी धर्म प्रेमियों को शुभकामनाएं दी। इस दौरान जोत प्रचंड पूर्व थाना प्रभारी सतपाल जांबा ने की।

हमे गुरु रविदास महाराज जी के बताए मार्ग पर चलना होगा :संत वीर सिंह हितकारी

श्री 108 संत वीर सिंह हितकारी ने गुरु रविदास जी महाराज की बाणी से रुबरु करते हुए कहा कि जिसने प्रभु परमात्मा के भक्ति रूपी रस का रसपान कर लिया, उसे संसार के किसी भी रस लालसा नहीं रहती क्योंकि वो परिपूर्ण हो जाता है। ऐसे समागम कराए जाते हैं, संत बुलाए जाते हैं, गुरु रविदास जी महाराज के संदेश उनके श्री मुख से सुनने के लिए हम पपीहे की तरह एक वर्ष तक इंतजार करते हैं। कब बारिश होगी, कब बून्द हमारी चोंच में पड़ेगी और कब हमारी तृप्ति होगी। एक वर्ष बाद वो दिन आता है वो भी खाने, पीने, पहनने, लेने-देने में बीत जाता है तो उसका भी लाभ नहीं ले पाते हैं इसलिए हमे गुरु रविदास महाराज जी के बताए मार्ग पर चलना होगा तभी हमें समागम कराने व सुनने का लाभ होगा।

संत वीर सिंह हितकारी जी दिन-रात प्रचार प्रसार में लगे हुए :संत जैनदास

यमुनानगर से संत जैनदास हितकारी ने कहा कि आज का दिन सौभाग्यशाली है। इस गांव में संतो के चरण पड़े। आज रविदासिया धर्म का प्रचार प्रसार समूचे विश्व मे धर्म गुरु श्री 108 निरंजन दास जी की अगुवाई हो रहा है। जिसमें रविदासिया धर्म के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री 108 संत वीर सिंह हितकारी देश-विदेश में दिन-रात प्रचार प्रसार करने में लगे हुए हैं।

हमे अपने मौलिक अधिकारों को जानना चाहिए :स्वामी ज्ञाननाथ

नारायणगढ़ से पहुंचे श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी एडवोकेट ने श्रद्धालुओं को गुरु रविदास जी व बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जी की दी हुई शिक्षाओं को ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अभी हालही में भारत मे संविधान दिवस मनाया गया। हमें खुद व अपने को संविधान पढ़ाना चाहिए। अपने मौलिक अधिकारों को जानना चाहिए।

शिक्षाओं को जीवन मे उतारना चाहिए :संत निर्मल दास

संत निर्मल दास जी गद्दीनशीन डेरा बाबा लाल दास जी कपाल मोचन ने श्री गुरु रविदास जी महाराज के संदेशों से रूबरू करते हुए कहा कि हमे गुरु के कहे अनुसार चलना चाहिए, उनकी शिक्षाओं को जीवन मे उतारना चाहिए तभी हमारा जीवन सफल हो सकता है।

संत सोमनाथ जी गद्दीनशीन डेरा संत फकीर दास तंदवाली ने कहा गुरु रविदास महाराज जी ने विश्व के सभी जीवों को एकता, भाईचारे, प्रेम प्यार, सद्भावना का संदेश दिया। बडे-बडे राजा-रानियां आदि गुरु रविदास जी के शिष्य बने। संत गुरपाल दास ने गुरु की महिमा का बखान किया।

इस मौके पर संत मेघदास गड़ी गोसाईं यमुनानगर, संत सुरेंद्र दास, बाबा जसविंद्र सिंह जलमाना, संत कोका दास, श्री गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला सभा कुरुक्षेत्र के प्रधान सूरजभान नरवाल, रीटा सोलखे, जिन्दो देवी, मनोज दास, सतबीर कैत, मंजू कटारिया रिंड़ल, संतोष देवी, अतीश कुमार, प्रवेश कुमार, प्रेम चंद, विजय कुमार, विनोद बपदा, नरेंद्र धूमसी, संजीव कुमार समेत बड़ी संख्यां में श्रद्धालुगण मौजूद रहे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया गीता शिल्प कला उद्यान का उद्घाटन

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष को समर्पित देवभूमि कुरुक्षेत्र के पुरुषोत्तमपुरा बाग में बनाया गया गीता मूर्ति शिल्प उद्यान का आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उद्घाटन किया। उद्घाटन अवसर पर राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय, मुख्यमंत्री मनोहर लाल, सांसद नायब सिंह सैनी, सांसद रत्तन लाल कटारिया, खेल मंत्री संदीप सिंह, विधायक सुभाष सुधा व डीसी शांतनु शर्मा मौजूद थे।

इस उद्यान में आजादी के 75वें अमृत महोत्सव मॉडल, गीता एवं भारतीय संस्कृति के अनेक महत्वपूर्ण पहलुओं को दर्शाने का प्रयास किया गया है। मूर्तियों को हरियाणा राज्य के साथ-साथ उड़ीसा, तेलंगाना, राजस्थान और असम के 21 शिल्पकारों ने 21 दिन-रात का अथक प्रयास करने के उपरांत 21 मूर्तियों को तैयार किया गया है। काले संगमरमर से बनी पांच से 12 टन वजन वाली ये मूर्तियां कलाकारों ने एक ही चट्टान के टुकड़ों को तराश कर तैयार की है। सभी मूर्तियां महाभारत से संबंधित विषयों को लेकर तैयार की गई है। इनमें आजादी का अमृत महोत्सव और गीता को भी दर्शाया गया है। होनहार कला शिल्पियों के साथ हृदय कौशल के नेतृत्व में बनाए गए खूबसूरत मूर्ति शिल्पियों तथा कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग के प्रयास सराहनीय है। यह मूर्तियां 75वें आजादी के अमृत महोत्सव का स्थायी गवाह बन गई है। इस अतुलनीय कार्य से राज्य में लुप्त होती आधुनिक मूर्तिकला के साथ-साथ राज्य के युवा कलाकारों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक विशेष पहचान मिली है। सदियों तक जिंदा रहने वाली यह आधुनिक अदभुत कला राज्य का गौरव एवं मान-सम्मान बढ़ाने का काम कर रही है। यह उद्यान रात्रि के समय में और भी खूबसूरत व मनमोहक दिखाई दे रहा है। इन मूर्तियों के साथ-साथ रंग-बिरंगी लाइटे भी लगाई गई है, महोत्सव के दौरान मूर्ति कला उद्यान को देखने वाले पर्यटक इसका भरपूर आनंद उठा रहे है।

इन शिल्पकारों ने तैयार की है मूर्तियां

गीता शिल्प कला उद्यान में 4 राज्यों के 21 शिल्पकारों ने मूर्तियां तैयार की है, जिनमें कला एवं सांस्कृतिक अधिकारी (मूर्तिकला) हृदय कौशल, जींद से अमित कुमार, भिवानी से अरुण, असम गुवाहाटी से अरुणधती चौधरी, रोहतक से दीनेश सेवाल, कुरुक्षेत्र से गोल्डी, सिरसा से हरपाल, करनाल से कुलदीप सिंह, कमला नगर रोहतक से महिपाल, चांग हरियाणा से मदन सैनी, जींद से मोनू, मीनाक्षी, राजस्थान से नेमा राम, झज्जर से नरेंद्र, कुरुक्षेत्र से प्रिंस शर्मा, उडीसा से राकेश पटनायक, रेवाड़ी से राहुल, तेलंगाना से डा. स्नेहलता प्रसाद, सोनीपत से स्वीप राज, महरौली दिल्ली से सुशांक कुमार, चंडीगढ़ से विरेंद्र कुमार शामिल है।

अम्बाला में धूमधाम से मनाया संविधान दिवस

भारतीय संविधान दुनिया का सर्वश्रेष्ठ संविधान :डॉ निशा

गजब हरियाणा न्यूज/शेर सिंह

अम्बाला। डॉ. बी आर अंबेडकर सोशल वेलफेयर एंड एजुकेशनल ट्रस्ट अंबाला के सौजन्य से ट्रस्ट की प्रधान डॉ निशा बुराक के निवास स्थान पर संविधान दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। उपस्थित सभासदों ने बाबा साहब एवं संविधान स्वरूप को नमन कर 26 नवम्बर के दिन के महत्व पर चर्चा की। डॉ निशा बुराक ने बताया कि आज ही के दिन 26 नवंबर 1949 को दुनिया का सबसे महान भारतीय का संविधान बनकर तैयार हुआ था। जिसे तैयार करने में भारत रत्न बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी व उनकी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होने कहा की भारत सरकार ने नागरिकों के बीच संवैधानिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए 26 नवंबर को प्रतिवर्ष 'संविधान दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। भारतीय संविधान 2 वर्ष 11 महीने में 18 दिन में बनकर तैयार हुआ। उन्होंने कहा की भारतीय संविधान दुनिया का सर्वश्रेष्ठ संविधान है। आज इस संविधान की बदौलत ही भारत की पहचान एक लोकतांत्रिक व धर्मनिरपेक्ष देश के रूप में होती है। इसकी विशेषताओं की जितनी चर्चा की जाए उतनी ही कम है। उन्होंने कहा की यह कहना गलत नहीं होगा कि संविधान हम सब के सर की छत है। इस समारोह में ट्रस्ट के वरिष्ठ सलाहकारों व संरक्षक जी.एस नाफरा, राजाराम व ऋषिपाल सम्मलित हुए तथा उन्होंने आगामी योजनाओं पर अपना वक्तव्य दिया। ट्रस्ट चेयरमैन रमेश कुमार ने सभी ट्रस्ट कार्यकारिणी व सदस्यों का सामाजिक परिपेक्ष्य में किए जाने वाले अप्रतिम प्रयासों के लिए धन्यवाद किया। इसी अवसर पर ई.आर. के डी महमी ने अपने नवजात परपोत्र, डा संजय धानिया ने अपनी नवजात बेटी व सरदार सुरिंदर भट्टी ने अपने जन्मदिन पर वित्तीय योगदान देकर ट्रस्ट को अपनी खुशी में शामिल किया। इस अवसर पर शामिल एडवोकेट सरिता ने सभी उपस्थित सदस्यों को संविधान उद्देशिका की परिपालना की शपथ दिलाई। महासचिव बलविंदर बराड़, वित्तीय सचिव बलविंदर सिंहमार, हेड मास्टर प्रदीप कुमार, बैंकर अमीचंद, एसडीओ अमरजीत सिंह, एसडीओ जरनैल सिंह इत्यादि सभी उपस्थित सभासदों ने समारोह में संविधान ग्रंथ की महानता पर प्रकाश डालते हुए अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान एडवोकेट विजय कुमार, प्रदीप गागट, तरसेम कुमार, राजिंदर कुमार, जीतराम, वीरेन्द्र सिंह, जगतार सिंह, छतरपाल, आर एस कलेर, बीर सिंह, ओमप्रकाश, गुलशन राणा व नसीब सिंह उपस्थित रहे।

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक जरनैल सिंह द्वारा ढिंगंरा प्रिटिंग प्रैस, अग्रसैन चौंक, मोहन नगर, कुरुक्षेत्र से छपवाकर कार्यालय 'गजब हरियाणा' कोठी नं0 890 पी, सैक्टर-4, अर्बन इस्टेट कुरुक्षेत्र जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा से प्रकाशित व मुद्रक किया। सम्पादक जरनैल सिंह (91382-03233) Registration Namber : HAR/HIN /2018/77311